mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-02 अंक-90 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
02 अप्रैल 2026 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

'न्याय नहीं, देरी व दबाव के लिए हो रहे कई मुकदमे', मुकदमों की बढ़ती संख्या पर 'सुप्रीम' टिप्पणी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने देश में बढ़ते मुकदमों को लेकर कड़ी टिप्पणी करते हुए कहा है कि अदालतों में दाखिल हो रहे कई मामले न्याय पाने की वास्तविक इच्छा से कम और कार्यवाही में देरी करने, विरोधियों को परेशान करने तथा न्यायिक समय बर्बाद करने के उद्देश्य से अधिक प्रेरित दिखाई देते हैं। अदालत ने साफ किया कि न्यायिक व्यवस्था का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस एजी मसीह की पीठ ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया का उद्देश्य केवल वास्तविक और गंभीर विवादों का समाधान करना है, न कि बार-बार या बेतुके दावों को बढ़ावा देना।

यदि कोई पक्ष जानबूझकर निरर्थक या परेशान करने वाले मुकदमे दायर करता है, तो अदालत ऐसे मामलों को खारिज करने के साथ-साथ जुर्माना भी लगा सकती है। पीठ ने स्पष्ट किया कि किसी एक विवाद को अलग-अलग तरीकों से बार-बार उठाने की अनुमति नहीं दी जा सकती। एक बार जब कोई मामला सक्षम अदालत में पूरी तरह सुना और तय हो जाता है, तो उसी मुद्दे को दोबारा उठाना न्यायिक व्यवस्था के खिलाफ है। इससे न केवल अदालतों पर अनावश्यक बोझ बढ़ता है, बल्कि अन्य मामलों में न्याय मिलने में भी देरी होती है।

लंबित मामले

बता दें देश भर में लगभग 5.5 करोड़ केस लंबित हैं, जिनमें ज्यादातर निचली अदालतों में हैं। सर्वोच्च न्यायालय में 10 वर्ष से ज्यादा समय से 698 से अधिक जनहित याचिकाएं लंबित हैं। वहीं कुल 3500 जनहित याचिकाएं आजतक सुनवाई का इंतजार कर रहीं हैं।

बगदाद में बीच सड़क से अमेरिकी पत्रकार का अपहरण

जबरन गाड़ी में खींचकर ले गए; अमेरिकी दूतावास ने इराक न जाने की सलाह दी थी

बगदाद, एजेंसी। अमेरिका की फ्रीलांस पत्रकार शैली किटल्सन का मंगलवार को इराक की राजधानी बगदाद में अपहरण कर लिया गया। अज्ञात हमलावरों ने शैली को अल-सादून स्ट्रीट पर स्थित बगदाद होटल के पास से अगवा किया।

इस घटना से जुड़ा एक वीडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें अपराधी, पत्रकार को जबरन गाड़ी में खींचकर ले जाते नजर आ रहे हैं।

इराक के गृह मंत्रालय ने भी घटना की पुष्टि की है, हालांकि उसने पत्रकार की पहचान सार्वजनिक नहीं की। मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा कि एक विदेशी पत्रकार का अज्ञात लोगों ने अपहरण कर लिया, जिसके बाद सुरक्षा बलों को तुरंत कार्रवाई के लिए भेजा गया।

कुछ समय से वह न्यूज वेबसाइट अल-मॉनिटर के लिए रिपोर्टिंग कर रही थी। इसी वेबसाइट के मुताबिक अमेरिकी सरकार ने पत्रकार को सुरक्षा वजहों से इराक की यात्रा न करने की सलाह भी दी थी।

शैली किटल्सन युद्ध क्षेत्रों में रिपोर्टिंग के लिए जानी जाती हैं और उन्हें 2017 में प्रेमियो कारावेला अवॉर्ड मिल चुका है। वह मुख्य रूप से मिडिल ईस्ट, खासकर इराक और सीरिया से जुड़ी रिपोर्टिंग करती रही हैं।

अटारी-वाघा सीमा पर रिट्रीट का समय बदला :अब शाम 5 :30 से 6 बजे तक होगी सेरेमनी

अमृतसर, एजेंसी। अमृतसर स्थित भारत-पाकिस्तान अटारी सीमा पर होने वाली प्रसिद्ध रिट्रीट सेरेमनी के समय में बदलाव किया गया है। अटारी-वाघा बॉर्डर पर हर रोज होने वाली इस देशभक्ति से भरपूर सेरेमनी को देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं।

नए निर्णय के अनुसार अब रिट्रीट सेरेमनी शाम 5:30 बजे से शुरू होकर 6:00 बजे तक चलेगी। इससे पहले रिट्रीट सेरेमनी 5 बजे शुरू होकर साढ़े 5 बजे खत्म हो रही थी। मौसम और दिन की घटती-बढ़ती रोशनी को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने यह फैसला लिया है। अधिकारियों का कहना है कि दर्शकों को बेहतर अनुभव देने और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए समय में यह बदलाव जरूरी था।

यह नया समय आज यानी 1 अप्रैल से लागू कर दिया गया है। यानी अब जो भी पर्यटक या स्थानीय लोग इस सेरेमनी को देखने की योजना बना रहे हैं, उन्हें नए समय के अनुसार ही पहुंचना होगा। बीटिंग रिट्रीट सेरेमनी भारत और पाकिस्तान के सैनिकों द्वारा की जाने वाली एक विशेष परंपरा है, जिसमें जोश, अनुशासन और देशभक्ति की झलक देखने को मिलती है।

अमरावती को आंध्र प्रदेश की राजधानी बनाने वाला बिल पास

लोकसभा में विदेशी अंशदान संशोधन विधेयक पर हंगामा, 'FCRA बिल वापस लो' के नारे लगे

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा ने बुधवार को आंध्र प्रदेश पुनर्गठन (संशोधन) बिल, 2026 को पास कर दिया है। इस बिल के जरिए अमरावती को रज्य की एकमात्र और स्थायी राजधानी का कानूनी दर्जा मिलेगा।

गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने यह बिल पेश किया था। इस पर एक घंटे से ज्यादा बहस हुई, जिसके बाद इसे वॉयस वोट से मंजूरी दे दी गई।

इससे पहले बुधवार को कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने विदेशी अंशदान संशोधन बिल को लेकर हंगामा किया। उन्होंने ऋष्टक्रबिल वापस लो के नारे लगाए। स्पीकर ओम बिरला ने सांसदों से शांत रहने की अपील की, लेकिन विपक्षी सदस्य अपनी सीटों पर खड़े होकर विरोध करते रहे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि आज FCRA बिल पर लोकसभा में बहस नहीं होगी। यह बिल विदेशी अंशदान (विनियमन) कानून में संशोधन से जुड़ा है, जिसे 25 मार्च को लोकसभा में पेश किया गया था।

ईरान बोला:अमेरिका को सैनिक भेजने की गलती भारी पड़ेगी

6 महीने तक जंग के लिए तैयार, देश के लिए किसी भी हद तक जाएंगे

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसने जमीनी हमला करने के लिए सैनिक भेजने की गलती की तो उसे भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि देश जरूरत पड़ने पर 6 महीने तक जंग जारी रख सकता है।

अराघची ने कहा है कि अगर जमीनी हमला हुआ तो ईरान पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा, 'हम उनका इंतजार कर रहे हैं।' हालांकि, उन्होंने साफ किया कि ईरान खुद जमीनी युद्ध नहीं चाहता, लेकिन अगर ऐसा हुआ तो वह उसका जवाब देने में सक्षम है।

अराघची ने कहा कि ईरान हालात के मुताबिक संघर्ष जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि देश की सुरक्षा सबसे ऊपर है, इसके लिए ईरान किसी भी हद तक जा सकता है।वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा है कि ईरान के साथ चल रहा युद्ध अगले 2 से 3 हफ्तों में खत्म हो सकता है। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका अपना लक्ष्य हासिल कर चुका है और ऑपरेशन लास्ट स्टेज में है।

ट्रम्प के बयान के बाद जंग खत्म होने की उम्मीद से तेल सस्ता:

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयान के बाद वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में बड़ी गिरावट आई है। जंग जल्द खत्म होने की उम्मीद से निवेशकों ने राहत की सांस ली।

ट्रम्प ने कहा था कि ईरान के साथ युद्ध 2-3 हफ्तों में खत्म हो सकता है, जिससे बाजार में तनाव कम हुआ और सप्लाई को लेकर चिंता घटी। इसके बाद ब्रेंट क्रूड की कीमत करीब 13% गिरकर 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास आ गई।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में एक आतंकी ढेर, एक और आतंकी के छिपे होने की सूचना

श्रीनगर,एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में सेना ने बुधवार सुबह एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। यह ऑपरेशन मंगलवार रात से जारी था। एक अधिकारी ने बताया कि खास इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर, पुलिस और सेना की एक जॉइंट टीम ने मंगलवार शाम को घेराबंदी और सर्च ऑपरेशन शुरू किया। एक आतंकी के छिपे होने की जानकारी मिली। अंधेरे की वजह से ऑपरेशन रोक दिया गया था। सुबह आतंकी को मार गिराया गया।

इससे पहले फरवरी में सेना ने जम्मू-कश्मीर में 6 आतंकवादियों को मार गिराया था। किश्तवाड़ के चतरू में 3 आतंकी ढेर हुए थे। वहीं 4 फरवरी को भी चतरू में ही सुरक्षाबलों ने जैश के ही एक आतंकी को मार गिराया था। वहीं, उधमपुर जिले में भी गुफा में छिपे जैश के 2 आतंकियों को ग्रेनेड विस्फोट में मार गिराया गया था।

हैदराबाद- महिला ने बेटों की हत्या के बाद सुसाइड किया

पति की दूसरी शादी से परेशान थी; गुस्साए परिजन ने ससुराल वाला घर फूंका

हैदराबाद, एजेंसी। हैदराबाद में महिला ने दो बेटों की हत्या के बाद सुसाइड कर लिया। तीनों के शव फांसी के फंदे पर लटके मिले। महिला के पति ने दूसरी शादी की थी, जिसके बाद से परिवार में झगड़ा था।

पुलिस के मुताबिक घटना कुकाटपल्ली के राघवेंद्र कॉलोनी में 31 मार्च की दोपहर 1.30 बजे हुई। पुलिस के मुताबिक श्रावंती का पति प्रवीण दोपहर में जब घर लौटा तो मेन गेट बंद था। कई बार दरवाजा खटखटाने पर भी जब गेट नहीं खुला तो प्रवीण ने पड़ोसियों की मदद से गेट तोड़ा। अंदर श्रावंती (29) और दोनों बेटों कार्तिक (12) और कौशिक (10) के शव थे। दोपहर 2 बजे पुलिस को जानकारी मिली।

यूपी में तेज बारिश, ओले भी गिरे:म.प्र.राजस्थान में भी अलर्ट

जम्मू-कश्मीर के ऊंचाई वाले इलाकों में एवलांच का खतरा

भोपाल/लखनऊ/शिमला/जयपुर, एजेंसी। देश के पांच राज्यों में अगले तीन दिन मौसम में बदलाव रहेगा। उत्तर प्रदेश में बुधवार सुबह बारिश हुई, 40 जिलों में अलर्ट भी जारी किया गया है। पिछले 24 घंटे में मथुरा, जालौन और कन्नौज में ओले गिरे।

उधर MP में आधे प्रदेश में आंधी-बारिश का अलर्ट है। बुधवार को इंदौर, उज्जैन-ग्वालियर समेत 29 जिलों में अलर्ट है। 4 अप्रैल तक ऐसा ही मौसम रहेगा। उसके बाद 15 अप्रैल से प्रदेश में भीषण गर्मी पड़ेगी।

राजस्थान में 2 अप्रैल से फिर एक नया वेदर सिस्टम एक्टिव होगा। जिसके चलते बारिश होगी। मंगलवार को पूर्वी राजस्थान के कई जिलों में बारिश के साथ ओले गिरे।

जम्मू-कश्मीर के बांदीपोरा जिले में एवलांच (हिमस्खलन) आया और कई रास्ते बंद हो गए हैं। अगले 24 घंटों में ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी और एवलांच का अलर्ट जारी किया गया है।

बंगाल एसआईआर- 60 लाख में 47 लाख आपत्तियां निपटीं

सुप्रीम कोट बोला:7 अप्रैल तक सबका निपटारा होगा; ट्रिब्यूनल गलत तरीके से जोड़े-हटाए नामों को सुधारेंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। कलकत्ता हाईकोर्ट ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पश्चिम बंगाल में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के बाद 60 लाख आपत्तियों में से लगभग 47 लाख आपत्तियों का निपटारा 31 मार्च तक कर दिया गया है।सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम पंचोली की बेंच ने बताया कि उन्हें मंगलवार को हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस का लेटर मिला है। इसमें बताया गया है कि हर दिन लगभग 17.5 लाख से 2 लाख आपत्तियों को निपटाया रहा है।हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को यह भी बताया गया कि सभी लंबित आपत्तियों का निपटारा 7 अप्रैल तक पूरा होने की संभावना है। छ्छ्ढ सूर्यकांत ने कहा- हम तथ्यों और आंकड़ों से काफी संतुष्ट हैं। कोर्ट ने अपीलीय ट्रिब्यूनल को वोटर लिस्ट में गलत तरीके से जोड़े या हटाए नामों को सुधारने का अधिकार भी दिया।

स्ष्ट बोला- ट्रिब्यूनल नए दस्तावेज स्वीकार कर सकते हैं

कोर्ट ने कहा- वोटर लिस्ट से नाम हटाए जाने के खिलाफ लोगों की अपील सुन रहे ट्रिब्यूनल नए दस्तावेजों को स्वीकार कर सकते हैं। हालांकि बिना वेरिफिकेशन दस्तावेज स्वीकार नहीं किए जाएंगे।पहले कोर्ट ने कहा था कि अपीलीय ट्रिब्यूनल ऐसे नए दस्तावेज स्वीकार नहीं करेंगे, जो पहले जांच अधिकारी के सामने पेश नहीं किए गए थे। हालांकि अब कोर्ट ने अपने आदेश में बदलाव किया।सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ताओं ने चिंता जताई कि नए वोटर के रूप में रजिस्ट्रेशन के लिए एक साथ बड़ी संख्या में फॉर्म-6 जमा किए जा रहे हैं। इसपर कोर्ट ने कहा- जब तक कोई चीज रिकॉर्ड में न हो, हम जुबानी दलीलों के आधार पर कोई फैसला नहीं कर सकते।

मोदी बोले- कांग्रेस के राजकुमार की हार की सेंचुरी पक्की,असम में भाजपा जीत की हैट्रिक लगाएगी

नई दिल्ली/ तिरुवनंतपुरम/ गुवाहाटी/कोलकाता/चेन्नई, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि इस बार असम में बीजेपी-एनडीए की हैट्रिक लगनी तय है। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि कांग्रेस के सो कॉल्ड राजकुमार की पराजय की सेंचुरी आने वाली है।

वे धेमाजी के गोगामुख में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। पीएम ने कहा कि एक समय था जब दुनिया में असम की चर्चा चाय के लिए होती थी। अब दुनिया असम को चाय के साथ-साथ चिप से पहचानेगी। टीवी, फ्रिज, गाड़ियां, मोबाइल असम की चिप से चलेंगे। दुनिया में असम की पहचान चाय और और चिप से होगी।

इससे पहले उन्होंने डिब्रूगढ़ में चाय बागान का दौरा किया। वहां काम करने वाली महिलाओं से बातचीत की और सेल्फी ली। पीएम ने यहां चाय की पत्ती भी तोड़ी।

मोदी बोले- कांग्रेस ने यहां के गेंडों को भी नहीं छोड़ा : कांग्रेस की बेकार नीतियों ने यहां के गेंडा (एक सींग वाले) को भी नहीं छोड़ा। सेंचुरी में जो हालात हुई, हम सभी ने देखी है। कांग्रेस ने गेंडों की जमीन अपने वोट बैंक को दे दी। इसका असर आपकी रोजी रोटी पर पड़ा। रोजगार पर पड़ा। आपने बीजेपी-एनडीए सरकार बनाई। हमने अवैध कब्जा हटाया। 40 साल बाद अब फिर से इस सेंचुरी में 1 सींग वाले गैंडे दिखने लगे हैं।

राज्य की पहचान चाय और चिप से होगी

नडीए सरकार का लक्ष्य असम को आत्मनिर्भर बनाना है

असम सरकार असम के विकास के लिए ईमानदारी से काम कर रही है। बाढ़ और कटाव की परेशानी दूरी करने के लिए काम कर रही है। इसके लिए भी 18 हजार करोड़ रुपए और खर्च किए जाएंगे। इस पर काम चल रहा है। बीजेपी-एनडीए सरकार का बड़ा लक्ष्य असम को आत्मनिर्भर बनाने का भी है। दशकों पहले ये काम शुरू होना चाहिए था। लेकिन कांग्रेस ने असम के सामर्थ्य के साथ काम नहीं किया। हमारी सरकार इसके सामर्थ्य को विकास के काम में लगा रही है।

इतनी भीड़ कांग्रेस कभी नहीं इकट्ठा कर सकती

मोदी ने असम के बिस्वनाथ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली में बैठे लोगों की नजर में नहीं पहुंच सकता है। ये जिले की रैली है लेकिन दूर-दूर तक लोग हैं। बीते 20 साल में कांग्रेस ने पूरे हिंदुस्तान के लोगों को इकट्ठा करके भी इतनी बड़ी रैली नहीं कर पाए होंगे। मैं उन्हें चैलेंज करता हूं कि अगर ताकत हो तो इतनी भीड़ जोड़ कर दिखा दें। मैं सोच नहीं सकता कि एक जिले में इतनी भीड़ आ सकती है। तीन उम्मीदवार और इतनी बड़ी जनसभा।

मोदी बोले- चाय बागानों से मोह मुझे नहीं होगा, तो किसे होगा

पीएम मोदी ने बागान में चाय की पत्ती तोड़ी

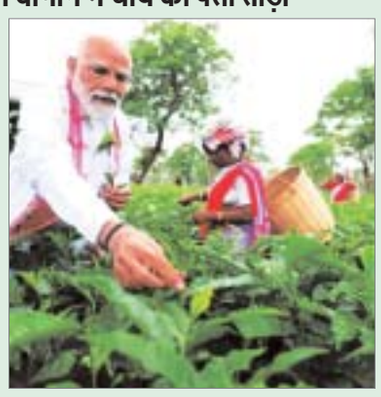

पीएम ने कहा- बिस्वनाथ की पहचान चाय बागानों से है। यहां का चाय बागान हमारी शान है। इस चाय बागान का मोह अगर इस चाय वाले से नहीं होगा तो किससे होगा। मैंने चाय बागान में काम करने वाली माताओं-बहनों को आशीर्वाद लेकर चुनाव प्रचार की

ममता का आरोप- यूपी-बिहार के लोगों के नाम वोटर लिस्ट में जोड़ रही भाजपा

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि भाजपा बिहार, राजस्थान, हरियाणा और यूपी से गैर-निवासी लोगों के फर्जी फॉर्म-6 भरवाकर बंगाल की वोटर लिस्ट में 'अवैध मतदाता' जोड़ने की साजिश कर रही है। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लिखी चिट्ठी में ये आरोप लगाए हैं। वहीं, चुनावी सभा में ममता ने कहा कि आयोग 'बंद कमरे में' बड़ी संख्या में फॉर्म-6 स्वीकार कर रहा है, जो सुप्रीम कोर्ट के आदेश और निष्पक्ष चुनाव की भावना के खिलाफ है। इससे पहले भाजपा ने बंगाल के मुख्य चुनाव आयुक्त को चिट्ठी लिखकर सीएम ममता पर भड़काऊ भाषण देने और मतदाताओं को डराने का आरोप लगाया था।

बंगाल चुनाव : बड़े चेहरे के भरोसे खाता खोलने की कोशिश में कांग्रेस, उत्तर मालदा-दिनाजपुर पर फोकस

सिलीगुड़ी, एजेंसी। बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस पार्टी ने देर से ही सही उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। उत्तर बंगाल की 54 विधानसभा सीटों में से 53 पर कांग्रेस ने एक साथ उम्मीदवार घोषित कर दिए। खास बात यह है कि पार्टी ने कई बड़े नाम को चुनाव मैदान में उतार दिया है और इन्हीं के दम पर मालदा और उत्तर दिनाजपुर जिले में कुछ सीट पाना चाहती है। मौसम बेनजीर नूर, मोहित सेनगुप्ता आदि इन्हीं बड़े नामों में शामिल हैं। दरअसल भाजपा, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी दलों ने अपने उम्मीदवारों की सूची पहले ही घोषित कर दी थी। कांग्रेस मामले में काफी पीछे रह गई थी। नामांकन की प्रक्रिया शुरू होने से महज एक दिन पहले कांग्रेस ने एक झटके में पूरे राज्य में 294 में से 284 उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी। 2021 के चुनाव में बंगाल

में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी। लेकिन इस बार कांग्रेस खासतौर पर उत्तर बंगाल में मालदा और उत्तर दिनाजपुर जिलों से सीट जीतने की उम्मीद कर रही है। इन दो जिलों में कांग्रेस के कार्यकर्ता अन्य जिलों की तुलना में अभी भी काफी सक्रिय हैं। यहां पार्टी भाजपा और तृणमूल को चुनौती देने की स्थिति में दिख रही है।मालदा जिले की मालतीपुर सीट से कांग्रेस ने पूर्व सांसद मौसम बेनजीर नूर को टिकट दिया है। मौसम नूर हाल ही में तृणमूल कांग्रेस से कांग्रेस में वापस लौटी हैं। वे गनी खान चौधरी परिवार से जुड़ी हैं जो मालदा में कांग्रेस का परंपरागत आधार रहा है। यहां तृणमूल ने अपने मौजूदा विधायक अब्दुर रहीम बक्सी को टिकट दिया है। भाजपा ने आशीष दास और वाम मोर्चा ने मनिरूल हुसैन को मैदान में उतारा है। चाकुलिया सीट से कांग्रेस ने पूर्व विधायक अली इमरान रमज उर्फ विक्टर को उम्मीदवार बनाया है। तृणमूल ने मिन्हाजुल अरफिन आजाद, भाजपा ने मनोज जैन और वाम ने अमजद अली को टिकट दिया है। रायगंज से कांग्रेस ने पूर्व नगर पालिका चेयरमैन मोहित सेनगुप्ता को मौका दिया है। यहां तृणमूल ने पूर्व विधायक कृष्णा कल्याणी, भाजपा ने कौशिक चौधरी और वाममोर्चा ने जीवनंदा सिंबा को टिकट दिया है।

कहीं अब्दुल करीम न उतर जाएं मैदान में : इस्लामपुर सीट पर कांग्रेस ने अभी तक कोई उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। तृणमूल ने यहां कन्हैयालाल अग्रवाल को टिकट दिया है, भाजपा ने चित्रजीत राय और वाममोर्चा ने शमिक खान को उतारा है। कार्यकर्ताओं और राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि कांग्रेस इस्लामपुर से किसी दिग्गज नेता को टिकट देकर चौंकाने वाली घोषणा कर सकती है। वर्तमान में यहां 11 बार के विधायक रहे तृणमूल के वरिष्ठ नेता 80 वर्षीय अब्दुल करीम चौधरी को टिकट नहीं मिला है। वह लंबे समय से क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं लेकिन उम्र को लेकर तृणमूल ने उन्हें ड्राप कर दिया। अब्दुल करीम फिलहाल शहर से बाहर हैं और उनकी अनुपस्थिति में उनके समर्थकों में नाराजगी है। राजनीतिक हलकों में हर किसी की नजर इस पर है कि उनका अगला कदम क्या होगा। वह निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे या कोई और रास्ता चुनेंगे। ऐसा भी हो सकता है कि कांग्रेस उनको टिकट दे।

गुरुग्राम के इफको चौक पर आधी रात को महिला से लूटपाट, ऑटो ड्राइवर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गुरुग्राम, एजेंसी। सेक्टर-17/18 थाना क्षेत्र के अंतर्गत इफ्को चौक से आधी रात आटो में बैठी महिला सवारी के साथ चालक ने लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने आरोपित आटो चालक को गिरफ्तार कर लिया। उसकी पहचान पश्चिम बंगाल के मालदा जिले के गांव सरकारपाड़ा निवासी ताजिर के रूप में हुई है। आरोपित के कब्जे से लूटा गया सामान और वारदात में प्रयोग किया आटो भी बरामद किया है। पुलिस के अनुसार एक महिला ने शिकायत दी थी कि सोमवार रात करीब 2:30 बजे वह इफ्को चौक से सेक्टर-38 जाने के लिए आटो में बैठी थी। रास्ते में चालक ने उसका मुंह दबाकर उसकी ज्वेलरी, हाथ की घड़ी, ब्रेसलेट और अन्य सामान छीन लिया और उसे आटो से धक्का देकर फरार हो गया। शिकायत के आधार पर सेक्टर-17/18 थाना में मामला दर्ज किया गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपित ताजिर को सेक्टर-50 क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपित ने महिला को अकेला देखकर लालच में वारदात को अंजाम दिया था। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

दिल्ली में 30 लाख की कीमत की हेरोइन के साथ महिला तस्कर को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। मध्य जिले की स्पेशल स्टाफ की टीम ने ड्रग्स की तस्करी में शामिल एक महिला को गिरफ्तार किया है। इसके कब्जे से 30 लाख की कीमत की 290 ग्राम हेरोइन बरामद हुई है। इसके अलावा महिला के कब्जे से ड्रग्स बेचकर कमाए गए 3,420 नकद और एक वजन तौलने वाली मशीन जब्त की है। आरोपित महिला की पहचान किशनगढ़ की मंजू के रूप में हुई है। पुलिस इससे पूछताछ कर बरामद ड्रग्स के मुख्य स्रोत और गिरोह में शामिल अन्य आरोपितों की तलाश में जुटी है। उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक, 29 मार्च को टीम को एक मुखबिर से पक्की जानकारी मिली कि किशनगंज इलाके में रेलवे लाइन के किनारे एक झुग्गी के पास एक महिला हेरोइन बेच रही है। सूचना पर कार्रवाई करते हुए स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर रोहित कुमार के नेतृत्व में गठित टीम ने बताई गई जगह पर जाल बिछाया। थोड़ी देर बाद रेलवे लाइन के पास बैठी एक महिला की पहचान के बाद आरोपित महिला को पकड़ लिया गया। पूछताछ में उसकी पहचान मंजू के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके पास से कुल 290 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पूछताछ में आरोपित महिला ने बताया कि कालू नाम का एक आदमी, जो अभी जेल में है, पहले उसे रेलवे ट्रैक पर हेरोइन सप्लाई करता था और अब उसकी पत्नी ने यह काम संभाल लिया है और हेरोइन सप्लाई कर रही है।

हिमाचल में कई बड़े बदलाव, दूध के दाम बढ़े और बिजली हुई सस्ती; आपकी जेब पर क्या असर पड़ेगा

शिमला, एजेंसी। हिमाचल में नए वित्त वर्ष के आगाज के साथ कई बड़े बदलाव होने जो रहे हैं। अब मुख्यमंत्री को अप्रैल से आधा वेतन मिलेगा। बुधवार से शुरू होने वाले नए वित्तीय वर्ष से इसे लागू किया जा रहा है। मुख्यमंत्री सिर्फ 50 प्रतिशत वेतन ही लेंगे। उपमुख्यमंत्री सहित मंत्रियों को छह माह के लिए 30 और विधायकों को 20 प्रतिशत तक कम वेतन मिलेगा। बोर्ड और निगम के अध्यक्ष व उपाध्यक्ष सहित सलाहकारों का वेतन भी 20 प्रतिशत स्थगित रहेगा। आईपीएस, आईएफएस व आईएएस का वेतन 30 और अन्य अधिकारियों का 20 प्रतिशत तक स्थगित रहेगा।

ग्रुप ए और बी अधिकारियों के वेतन का तीन प्रतिशत हिस्सा भी छह माह के लिए स्थगित रहेगा। सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने के लिए प्राकृतिक खेती से जुड़े उत्पादों के एमएसपी में बढ़ोतरी की है। गेहूं, मक्का व अन्य फसलों का एमएसपी बढ़ाया है। हल्दी का एमएसपी 150 रुपये प्रति किलो किया है। अदरक का

एमएसपी 30 रुपये तय किया है। गाय का दूध 61 व भैंस का 71 रुपये प्रति किलो की दर से सरकार खरीद करेगी। अस्थायी कर्मचारियों का मानदेय व दैनिक दिहाड़ी भी बढ़ जाएगी। हालांकि इसके आदेश अलग से जारी होंगे लेकिन यह पहली अप्रैल से देय होंगे। प्रदेश में अब दिहाड़ी 450 रुपये प्रतिदिन मिलेगी। इसके अलावा जितनी भी श्रेणियां अस्थायी कर्मचारियों की हैं उन सभी का मानदेय भी बढ़ जाएगा।

घरेलू उपभोक्ताओं को एक पैसा प्रति यूनिट सस्ती बिजली : घरेलू उपभोक्ताओं को बुधवार से एक पैसा प्रति यूनिट बिजली सस्ती मिलेगी। हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत नियामक आयोग का नया टैरिफ बुधवार से लागू होगा। ये कटौती घरेलू से औद्योगिक सभी पर लागू होगी।

प्रदेश के अति निर्धन परिवारों को सरकार 300 यूनिट निःशुल्क बिजली भी देगी। पहली अप्रैल से प्रदेश में शराब की नई दरें लागू होंगी। इससे संभवतः शराब महंगी हो जाएगी। हिमाचल में ठेकों की नीलामी नए सिरे से की गई है। ऐसे में शराब की नई दरें बुधवार से लागू होंगी।

बीपीएल परिवार की बेटी को शादी पर मिलेंगे 51000 रुपये

बीपीएल परिवार और मुख्यमंत्री कन्यादान योजना के तहत 21 वर्ष से अधिक आयु की बालिकाओं के विवाह पर सरकार 51 हजार रुपये की वित्तीय सहायता करेगी। इसके लिए शुभ विवाह योजना शुरू करने की घोषणा मुख्यमंत्री ने बजट में की है। एचआरटीसी बसों में पहली अप्रैल से हिम बस कार्ड को लागू कर दिया है। हिम बस कार्ड न होने पर महिलाओं का पूरा किराया लगेगा। सरकार ने स्कूली बच्चों को फिलहाल राहत दी है।

निगम प्रबंधन ने 31 मई तक स्कूली बच्चों को छूट दी है। 31 मई तक जमा दो कक्षा तक के बच्चों को बिना हिम बस कार्ड एचआरटीसी बसों में निःशुल्क सेवा मिलती रहेगी। निगम इस मामले को निदेशक मंडल की बैठक में रखेगा। निगम ने 31 मार्च तक बिना हिम बस कार्ड यात्रा पर छूट दी थी। अभी तक 1.70 लाख हिम बस कार्ड बन चुके हैं। कार्ड बनने जारी रहेंगे। निगम प्रबंधन ने परिचालकों को दिशानिर्देश जारी कर दिए हैं। निगम प्रबंधन ने फाइल उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री को भेजी थी। मंगलवार देर शाम इस संबंध आदेश जारी हुए।

इंदिरापुरम के न्यायखंड में चार दिन से नहीं हुई पेयजल आपूर्ति, चार दिन से पैनल खराब; ठप पड़ी व्यवस्था

साहिबाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के साहिबाबाद स्थित इंदिरापुरम के न्यायखंड-दो में पंप के पैनल में खराबी होने के चलते चार दिन से पेयजल आपूर्ति ठप पड़ी है। लोगों का आरोप है कि शनिवार से घरों में पानी नहीं आ रहा है। नगर निगम में जानकारी करने पर पैनल खराब होने का पता चला। चार दिन से पानी न मिलने के कारण परेशानियों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। स्थानीय निवासी सुनीता ने बताया कि पानी न मिलने की शिकायत नगर निगम अधिकारियों से की। इसके बाद जलकल विभाग ने पैनल को ठीक कराया लेकिन यह फिर खराब हो गया। मंगलवार तक पैनल को ठीक नहीं कराया जा सका है। इस समस्या पर आरडब्ल्यूए ने नगर आयुक्त को पत्र लिखकर समस्या के निस्तारण की मांग की है। जलकल विभाग के अवर अभियंता मयंक मिश्रा ने बताया कि पैनल खराब होने के चलते समस्या हो रही है। इसे ठीक भी कराया गया लेकिन बाद में केबल फुंक गई। टीमों को इसमें लगाया गया है। जल्द ही समस्या का निस्तारण कराया जाएगा।

अमेरिकी सैनिक दो-तीन हफ्ते में ईरान छोड़ेंगे एक माह से जारी जंग के बीच ट्रंप का बयान

वॉशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष दिन-ब-दिन और भयावह होता जा रहा है। अमेरिका और इस्राइल के भीषण हमलों से दहक रहे मोर्चे पर ईरान भी इस्राइल और खाड़ी देशों में मैजूद अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर जोरदार पलटवार कर रहा है। मिसाइलों और ड्रोन की गरज के बीच यह संघर्ष अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और पूरे क्षेत्र में तनाव अब भी चरम पर है। इसी उग्र हालात के बीच अब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा बयान सामने आया है। उन्होंने कहा कि ईरान में चल रहा अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन बहुत जल्द खत्म कर दिया जाएगा। अपने बयान में ट्रंप ने आगे कहा कि अगले दो से तीन हफ्तों के अंदर

अमेरिकी सेना वहां से निकल सकती है। ट्रंप ने कहा कि स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज से तेल और गैस लेने वाली अन्य देशों जैसे फ्रांस या चीन को अब खुद संभालना होगा। अमेरिका वहां किसी और चीज में शामिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि अमेरिका ने कट्टर और खतरनाक' लोगों को नष्ट कर दिया और क्षेत्र अब अपेक्षाकृत सुरक्षित है।तेल की बढ़ती कीमतों पर क्या बोले ट्रंपव्हाइट हाउस में एक कार्यक्रम के दौरान ट्रंप ने कहा कि उनकी सरकार ईरान के साथ बातचीत भी कर रही है, लेकिन साथ ही सैन्य कार्रवाई भी जारी है।

यह युद्ध ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है पश्चिम एशिया संकट पर बोले पोप लियोशांति की अपील की

वेटिकन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में अमेरिका और इस्राइल का ईरान के साथ युद्ध लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे क्षेत्र में संघर्ष और तनाव चरम पर है। इसी बीच पोप लियो 14वें ने मंगलवार को रोम के बाहर कैस्टेल गैंडोल्फो से लौटते हुए पत्रकारों से बातचीत में उम्मीद जताई कि यह संघर्ष ईस्टर से पहले समाप्त हो सकता है। पोप ने कहा कि हिंसा और बमबारी को कम करने का कोई रास्ता खोजा जाना चाहिए, ताकि नफरत और मौतों को रोका जा सके और दिलों में शांति लौट सके। पोप ने कहा कि उन्हें बताया गया है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में कहा है कि वे युद्ध को समाप्त करना चाहते हैं।

पोप ने कहा कि मैं आशा करता हूं कि वे हिंसा और बमबारी को कम करने का रास्ता ढूंढ रहे होंगे, जो पश्चिम एशिया और अन्य जगहों पर बढ़ते नफरत को कम करने में मदद करेगा।पोप ने वैश्विक नेताओं से की ये अपीलपोप ने सभी विश्व नेताओं से संवाद की ओर लौटने और हिंसा कम करने के उपाय खोजने की अपील की, ताकि ईस्टर पर हमारे दिलों में शांति बनी रहे। उन्होंने कहा कि ईस्टर का समय शांति और ध्यान का समय होना चाहिए,

लेकिन दुनिया के कई हिस्सों में लोग अब भी हिंसा और युद्ध फैलाने में लगे हैं, जिसमें निर्दोष बच्चों की मौतें भी शामिल हैं।लियो ने पाम संडे के अवसर पर की प्रार्थनापोप लियो ने पाम संडे के अवसर पर विशेष रूप से पश्चिम एशिया के ईसाइयों के लिए प्रार्थना की और कहा कि जो लोग युद्ध करते हैं या धर्म का उपयोग हिंसा का औचित्य बनाने के लिए करते हैं।

स्कूल चलो अभियान : सजाए गए स्कूल, तिलक लगाकर किया गया बच्चों का स्वागत; पहले दिन मिला मिड डे मील

गाजियाबाद, एजेंसी। परिषदीय विद्यालयों में एक अप्रैल से नया सत्र के साथ स्कूल चलो अभियान भी शुरू हो जाएगा। विद्यालयों को फूलों एवं गुब्बारों से सजाया गया। सत्र के पहले दिन बच्चों का तिलक लगाकर स्कूल में स्वागत किया गया। सत्र के पहले दिन विद्यालयों में जागरूकता के लिए विभिन्न एक्टिविटी कराई जाएंगी। वहीं विद्यालयों में बच्चों को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। सत्र के पहले दिन बच्चों को रुचिकर पकवान मध्याह्न भोजन में खिलाए जाएंगे। अभियान को लेकर शिक्षा विभाग का मुख्य कार्यक्रम कंपोजिट विद्यालय करहेड़ा मोहननगर में होगा। सुबह 10 बजे कार्यक्रम शुरू होगा। बच्चों एवं अभिभावकों को मुख्यमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा। इसके बाद जन-सामान्य में इसकी जागरूकता के लिए स्कूल चलो जागरूकता रैली निकाली जाएगी। बाकी विद्यालयों में भी बच्चों को मुख्यमंत्री के संबोधन का लाइव प्रसारण दिखाया जाएगा और जागरूकता रैली निकाली जाएगी। हालांकि जिले में अभी तक विद्यार्थियों को परीक्षा परिणाम नहीं मिला है। कुछ विद्यालयों में एक अप्रैल यानी बुधवार को तो रिपोर्ट कार्ड का वितरण भी किया जाएगा। बीएसए ओपी यादव का कहना है कि शासनादेशानुसार स्कूल चलो अभियान की शुरुआत की जाएगी।

मंगल पर था भरपूर पानी, धूल भरी आंधियों ने अंतरिक्ष में उड़ा दिया

टोक्यो/सेन्दाई, एजेंसी। कभी जलसमृद्ध रहा मंगल आज सूखा मरुस्थल क्यों बन गया, इस लंबे समय से अनसुलझे सवाल पर नई रोशनी डालते हुए वैज्ञानिकों ने पाया है कि छोटे, स्थानीय धूलभरे-तूफान भी ग्रह के पानी को अंतरिक्ष में उड़ाने में बड़ी भूमिका निभा सकते हैं। तोहोकू यूनिवर्सिटी समेत अंतरराष्ट्रीय शोधकर्ताओं की टीम के इस अध्ययन में सामने आया है कि ये तूफान जलवाष्प को ऊपरी वायुमंडल तक पहुंचाकर उसे तोड़ देते हैं, जिससे हाइड्रोजन अंतरिक्ष में निकल जाता है और पानी स्थायी रूप से खत्म होता जाता है। वैज्ञानिकों के अनुसार आज का मंगल एक ठंडा और सूखा ग्रह है, लेकिन इसकी सतह पर मौजूद प्राचीन जलधाराएं, पानी से बदले खनिज और अन्य भूगर्भीय संकेत बताते हैं कि कभी यहां प्रचुर मात्रा में पानी मौजूद था। वैज्ञानिक लंबे समय से यह समझने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर यह पानी कहां और कैसे गायब हो गया। हालांकि कुछ प्रक्रियाएं पहचानी जा चुकी हैं,

लेकिन मंगल के गायब पानी का बड़ा हिस्सा अब भी एक पहेली बना हुआ है। कम्युनिकेशंस अर्थ एंड एनवायरनमेंट जर्नल में प्रकाशित इस नए अंतरराष्ट्रीय अध्ययन ने इस रहस्य को सुलझाने की दिशा में महत्वपूर्ण संकेत दिए हैं।इस शोध में पाया गया कि अपेक्षाकृत छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी मंगल के उत्तरी गोलार्ध की गर्मियों के दौरान जलवाष्प को वायुमंडल में काफी ऊंचाई तक पहुंचा सकते हैं।मार्टियन वर्ष 37 में असामान्य उछालवैज्ञानिकों ने मार्टियन वर्ष 37 (पृथ्वी के 2022-2023) के दौरान एक असामान्य स्थानीय धूल-तूफान का अध्ययन किया। इस दौरान मंगल के मध्य वायुमंडल में जलवाष्प की मात्रा सामान्य स्तर से लगभग दस गुना तक बढ़ गई।

इतनी अधिक वृद्धि पहले कभी दर्ज नहीं की गई थी और मौजूदा जलवायु मॉडल भी इसकी भविष्यवाणी नहीं कर पाए थे। हाइड्रोजन का बढ़ना पानी के नुकसान का सीधा संकेत है। जलवाष्प के ऊंचाई तक पहुंचने के बाद वैज्ञानिकों ने एक्सोबेस,जहां से मंगल का वायुमंडल अंतरिक्ष में बदलने लगता है,पर हाइड्रोजन की मात्रा में तेज वृद्धि दर्ज की। यह स्तर सामान्य से 2.5 गुना अधिक था

।कई अंतरिक्ष मिशनों के डाटा से खुला राजयह अध्ययन कई अंतरराष्ट्रीय मंगल मिशनों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित है।

इनमें यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के एक्सोमार्स मिशन का ट्रेस गैस ऑर्बिटर (टीजीओ) और उसका नोमैड उपकरण, नासा का मार्स रिकॉनिसेंस ऑर्बिटर (एमआरओ) और एमिरेट्स मार्स मिशन (ईएमएम) शामिल हैं। ये सभी यान फिलहाल मंगल की कक्षा में सक्रिय हैं और लगातार डेटा भेज रहे हैं। यह अध्ययन संकेत देता है कि मंगल से पानी का नुकसान केवल बड़े वैश्विक तूफानों तक सीमित नहीं है, बल्कि छोटे और स्थानीय धूल-तूफान भी इस प्रक्रिया को तेज कर सकते हैं। इससे वैज्ञानिकों को यह समझने में मदद मिलेगी कि कैसे एक समय का जलसमृद्ध ग्रह धीरे-धीरे सूखे और निर्जीव मरुस्थल में बदल गया।

ईरान युद्ध में शामिल होने की तैयारी में यूएई; यमन सेइस्राइल पर फिर हुआ

वेटिकन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में एक महीने से ज्यादा समय से चल रहे संघर्ष में हालात अब विस्फोटक और बेकाबू हो चुके हैं। इस्राइल और अमेरिका का ईरान के साथ जारी भीषण टकराव अब अपने 33वें दिन में प्रवेश कर चुका है और हालात ज्यादा खतरनाक रूप ले चुका है। मिसाइलों की बारिश और लगातार धमाकों ने तबाही का मंजर खड़ा कर दिया है। यह युद्ध अब सीमाओं को तोड़कर वैश्विक खतरा बन गया है, जहां हर पल विनाश और अनिश्चितता का साया गहराता जा रहा है। इस्राइली मीडिया ने बताया कि यमन से इस्राइल पर एक मिसाइल दागी गई, जिसे इस्राइली सेना ने इंटरसेप्ट कर तबाह कर दिया। इस हमले में किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं हैं। इस हमले के चलते दक्षिणी इस्राइल में सायरनों की आवाज सुनी गई। यूएई की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के प्रवेश और ट्रांजिट पर लगाई रोकयुद्ध के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) की तीन एयरलाइंस ने ईरानी नागरिकों के देश में प्रवेश और ट्रांजिट पर रोक लगा दी है।

एसआईटी ने ढोंगी बाबा खरात के बेटे को हिरासत में लिया, पत्नी की तलाश जारी

नासिक, एजेंसी। दुष्कर्म के आरोपित ढोंगी बाबा अशोक खरात के खिलाफ जांच कर रही विशेष जांच टीम (एसआइटी) ने मंगलवार को पूछताछ के लिए उसके बेटे को नासिक से हिरासत में लिया। नासिक के सरकारवाड़ा पुलिस स्टेशन में खरात के खिलाफ लगभग 10 एफआईआर दर्ज की गई हैं, जिसमें से आठ यौन उत्पीड़न और दो धोखाधड़ी से संबंधित हैं। एसआइटी को फोन पर उसके खिलाफ 100 से अधिक शिकायतें मिली हैं।एसआइटी की एक टीम यहां कर्मयोगी नगर स्थित खरात के घर पहुंची और उसके बेटे हर्षवर्धन को हिरासत में ले लिया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, उससे पूछताछ की जाएगी। जांचकर्ता खरात की पत्नी कल्पना का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। खरात की पुलिस हिरासत बुधवार को समाप्त हो जाएगी। इसके बाद उसे स्थानीय अदालत में पेश किया जाएगा। इस बीच, अधिकारियों ने बताया कि पड़ोसी अहिल्यानगर जिले में पुलिस ने मंगलवार को खरात की पत्नी समेत पांच लोगों के खिलाफ एक भूस्वामी से चार करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है। शिरडी के मंदिर नगर में पुलिस ने इस संबंध में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। अधिकारी के अनुसार, शिरडी के एक भूस्वामी ने खरात की पत्नी से चार एकड़ जमीन के बदले 5.52 करोड़ रुपये का ऋण लिया था। उसने लगभग 1.5 करोड़ रुपये चुका दिए थे, लेकिन खरात ने कथित तौर पर जमीन हड़पने की कोशिश की। इसके बाद भूस्वामी ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपितों की पहचान अरविंद बावके और किरण सोनावाने के रूप में हुई है। अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

सिहावल में गोशाला और 'एक बगिया मां के नाम' योजना का औचक निरीक्षण

सीईओ जिला पंचायत ने दी देखरेख और प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शैलेन्द्र सिंह सोलंकी ने जनपद पंचायत सिहावल अंतर्गत ग्राम पंचायत पोखरा एवं समरदह में औचक निरीक्षण किया निरीक्षण के दौरान उन्होंने 'एक बगिया मां के नाम' योजना के अंतर्गत विकसित किए जा रहे बगीचों का जायजा लिया। संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए गए कि पौधों की नियमित देखरेख सिंचाई, सुरक्षा और पोषण सुनिश्चित किया जाए, ताकि लगाए गए पौधे दीर्घकाल तक जीवित और फलदायक बने रहें। सीईओ ने बताया कि एक बगिया मां के नाम योजना स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इस योजना के तहत महिलाओं की निजी भूमि पर फलदार बगीचों का विकास किया जा रहा है, जिससे उन्हें स्थायी आय का स्रोत प्राप्त हो सके। योजना के माध्यम से महिलाओं को अनुदान, उन्नत पौधे, खाद, फेंसिंग और जल संरचना जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे वे आत्मनिर्भर बन सकें इसके बाद उन्होंने समरदह में गोशाला का निरीक्षण किया। गोशाला में पशुओं के रख-रखाव, स्वच्छता और आवश्यक सुविधाओं को बेहतर बनाए रखने के निर्देश दिए गए। उन्होंने अधिकारियों को इस बात का विशेष ध्यान रखने के लिए कहा कि गोशाला में रखे पशुओं की देखभाल, स्वास्थ्य और पोषण नियमित रूप से सुनिश्चित किया जाए निरीक्षण के दौरान जनपद पंचायत की सीईओ रश्मि पांडेय, एपीओ, अन्य विभागीय अधिकारी-कर्मचारी और लाभार्थी भी उपस्थित रहे सीईओ द्वारा किए गए इस औचक निरीक्षण का उद्देश्य योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं एवं पशुओं की बेहतर देखभाल सुनिश्चित करना बताया गया। अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे निरंतर निगरानी रखते हुए योजनाओं के लक्ष्यों को समयबद्ध रूप से पूरा करें।

जल गंगा संवर्धन अभियान, जनभागीदारी से जल संरक्षण की ओर बढ़ते कदम

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की ग्राम पंचायतों में जल संरक्षण और संवर्धन को लेकर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत व्यापक गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं जनभागीदारी के साथ चलाए जा रहे इन कार्यक्रमों से ग्रामीण क्षेत्रों में जल संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है और लोग स्वेच्छा से इसमें सहभागिता कर रहे हैं। ग्राम पंचायतों द्वारा तालाबों की सफाई, गाद निकालना, प्याऊ स्थापना, खेत तालाब निर्माण और अन्य जल संरचनाओं के संरक्षण जैसे कार्य किए जा रहे हैं। इन गतिविधियों के माध्यम से न केवल जल स्रोतों का पुनर्जीवन हो रहा है बल्कि ग्रामीणों में जल के महत्व को लेकर सकारात्मक सोच विकसित हो रही है अभियान के तहत नागरिकों को जल का विवेकपूर्ण उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

जल के पुनः उपयोग अधिक से अधिक पौधरोपण, ड्रिप सिंचाई, जैविक खेती और वर्षा जल संचयन जैसे उपायों को बढ़ावा दिया जा रहा है। साथ ही अपशिष्ट जल के उपचार पर भी जोर दिया जा रहा है ताकि जल संसाधनों की गुणवत्ता बनी रहे जल गंगा संवर्धन अभियानकी मूल अवधारणा जनसहभागिता से जल संरक्षण और संवर्धन पर आधारित है। इसके अंतर्गत नई जल संरचनाओं का निर्माण, पुरानी संरचनाओं का जीर्णोद्धार, जल स्रोतों और वितरण प्रणालियों की सफाई तथा जल स्रोतों के आसपास पौधरोपण जैसी गतिविधियां प्राथमिकता से की जा रही हैं अभियान के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को जोड़ते हुए जल संरक्षण को एक जन आंदोलन का रूप दिया जा रहा है।

विधायक बोले- बच्चे पढ़ाई करें, सरकार सहायता करेगी, अफसर बनने के लिए टीचर्स की बात मानना और पढ़ाई करना जरूरी

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कुसमी विकासखंड में स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जूरी में बुधवार को 'स्कूल चलें हम' प्रवेश उत्सव कार्यक्रम हुआ विधायक कुंवर सिंह टेकाम ने नए शैक्षणिक सत्र में प्रवेश करने वाले बच्चों को बधाई दी। उन्होंने छात्रों को देश का भविष्य और क्षेत्र का गौरव बताते हुए मन लगाकर पढ़ाई करने का आह्वान किया। विधायक ने आश्वासन दिया कि पढ़ाई या उच्च शिक्षा में किसी भी समस्या पर छात्र सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं उन्हें हर संभव सहायता प्रदान की जाएगी। एसडीएम शैलेंद्र द्विवेदी ने शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि शिक्षा का स्तर छात्र, शिक्षक और अभिभावक – इन तीनों की मजबूत सहभागिता से ही बेहतर होता है बच्चों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने बताया कि कलेक्टर या एसडीएम बनने के लिए शिक्षकों की बात मानना माता-पिता के आदर्शों पर चलना और मेहनत से पढ़ाई करना आवश्यक है। कार्यक्रम का शुभारंभ पारंपरिक रूप से दीप प्रज्वलन और कन्या पूजन के साथ हुआ। इस दौरान 170 छात्रों को पाठ्य पुस्तकें वितरित की गई जबकि 57 छात्र-छात्राओं को साइकिलें प्रदान की गई उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को भी सम्मानित किया गया जिससे अन्य विद्यार्थियों को प्रेरणा मिली। विधायक टेकाम ने घोषणा की कि ब्लॉक स्तर पर 100 प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले या नवोदय एवं सैनिक विद्यालयों में चयनित होने वाले छात्र-छात्राओं को शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षकों के साथ सम्मानित किया जाएगा इसका उद्देश्य उनके उत्साह को बढ़ाना है। यह प्रवेश उत्सव कार्यक्रम दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक चला इस आयोजन का मुख्य संदेश शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को सुनिश्चित करना था।

रेत खनन रोकने पहुंची टीम पर माफियाओं का हमला,घड़ियाल टीम को बंधक बनाकर पीटा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। अवैध रेत उत्खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची सोन घड़ियाल विभाग की टीम पर रेत माफियाओं ने हमला कर दिया मामला सिहावल जनपद क्षेत्र में सोन नदी के खुटेली घाट का है माफियाओं ने टीम के कर्मचारियों को बंधक बनाकर पीटा और उनके ट्रैक्टर लेकर फरार हो गए। सोन घड़ियाल विभाग को अवैध उत्खनन की सूचना मिली थी जिसके बाद टीम बहरी थाना क्षेत्र के खुटेली घाट पहुंची मौके पर अवैध रेत खनन जारी था अधिकारियों को देखते ही कुछ लोग अपने ट्रैक्टर छोड़कर भाग गए हालांकि कुछ देर बाद रेत माफिया संगठित होकर वापस लौट आए उन्होंने टीम को चारों तरफ से घेर लिया और कर्मचारियों को बंधक बना लिया। इस दौरान उनके साथ मारपीट की गई घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। हमले के बाद आरोपी अवैध उत्खनन में इस्तेमाल हो रहे ट्रैक्टर लेकर मौके से फरार हो गए। मामले में बहरी थाने में लवकेश उपाध्याय, प्रभांशु पाठक, पतुलखी निवासी और एक अज्ञात आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं 126(2), 132, 296, 121, 351(3) और 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है।

डांगा स्कूल में प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का आयोजन, विधायक ने केवल प्रतिभाशाली छात्रों को किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल डांगा में 'स्कूल चले हम' अभियान के तहत प्रवेशोत्सव कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित किया गया कार्यक्रम में मुख्य अतिथि विधायक धौहनी कुंवर सिंह टेकाम ने भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान विषयों के लिए लगभग 60 लाख रुपये लागत से बनने वाले प्रयोगशाला भवन का भूमि पूजन किया कार्यक्रम के दौरान विधायक टेकाम ने स्वयं सम्मान ग्रहण नहीं किया और कहा कि आज केवल प्रतिभाशाली बच्चों का सम्मान किया जाएगा ताकि अन्य छात्र-छात्राएं भी उत्कृष्टता के लिए प्रेरित हों उन्होंने विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करने का माध्यम नहीं है बल्कि जीवन में सही दिशा और सोच विकसित करने का आधार है उन्होंने बच्चों से आग्रह किया कि वे अपनी प्रतिभा को पहचानें और निरंतर मेहनत के साथ उसे निखारें विधायक ने कहा कि आज के समय में वही छात्र आगे बढ़ता है जो अपने लक्ष्य के प्रति गंभीर रहता है और हर दिन कुछ नया सीखने का प्रयास करता है उन्होंने अभिभावकों से भी अपील की कि वे बच्चों को केवल स्कूल भेजने तक सीमित न रखें बल्कि उनकी पढ़ाई, व्यवहार और भविष्य के प्रति नियमित मार्गदर्शन दें विधायक ने कहा कि परिवार और विद्यालय के संयुक्त प्रयास से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास संभव है उन्होंने यह भी बताया कि सरकार शिक्षा क्षेत्र में निरंतर प्रयासरत है और विद्यालयों में बेहतर संसाधन उपलब्ध कराए जा रहे हैं जिससे ग्रामीण अंचल के बच्चों को भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा पात्र हितग्राहियों को प्रमाण पत्र एवं योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया स्वास्थ्य, शिक्षा, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, कृषि, मत्स्य पालन, उद्यानिकी, महिला एवं बाल विकास, आजीविका मिशन तथा उद्योग विभाग की योजनाओं के अंतर्गत लाभार्थियों को लाभान्वित किया गया इसके अतिरिक्त, जलगंगा संवर्धन से संबंधित गतिविधियों पर जोर दिया गया जिससे जल संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाई जा सके साथ ही उपस्थित जनों से नशामुक्ति की शपथ भी दिलाई गई इस अवसर पर कलेक्टर विकास मिश्रा, जिला पंचायत सदस्य कृष्णलाल पयासी, अनुविभागीय अधिकारी मझौली आरपी त्रिपाठी, जनप्रतिनिधि, अधिकारी, शिक्षकगण एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्रम कानून बदलाव के खिलाफ मजदूरों का प्रदर्शन;पाव तले कानून की प्रतियां जलाई

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। जिले में केंद्र सरकार की ओर से श्रम कानूनों में किए गए बदलावों के विरोध में मजदूर संगठनों ने प्रदर्शन किया। बैनर तले जिला मुख्यालय स्थित माजन मोड़ पर बड़ी संख्या में श्रमिकों और कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने श्रम कानूनों की प्रतियां जलाईं और 'मजदूर विरोधी कानून वापस लो' जैसे नारे लगाए। मजदूर संगठनों ने बताया कि 1 अप्रैल 2026 से लागू किए जा रहे नए श्रम कोड, जिनमें वेज कोड इंडस्ट्रियल रिलेशंस कोड, सोशल सिक्योरिटी कोड और ऑक्यूपेशनल सेफ्टी, हेल्थ एंड वर्किंग कंडीशंस कोड शामिल हैं मजदूरों के हितों के खिलाफ हैं। उनका आरोप है कि इन कानूनों से काम के घंटे बढ़ेंगे, यूनियन की ताकत कमजोर होगी और कंपनियों को छंटनी करना आसान हो जाएगा। इस अवसर पर भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला अध्यक्ष संजय नामदेव ने कहा कि केंद्र सरकार मजदूरों के अधिकारों को खत्म कर पूंजीपतियों को फायदा पहुंचा रही है।

मानस भवन में संगठन विस्तार पर होगी चर्चा

युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष का 2 अप्रैल का दौरा, कार्यकर्ता बैठक व पत्रकार की होगी वार्ता

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश युवक कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घनघोरिया का 2 अप्रैल को रीवा दौरा प्रस्तावित है इस दौरे को लेकर जिला युवा कांग्रेस एवं कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखा जा रहा है कार्यक्रम के तहत वे कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन विस्तार और आगामी रणनीति पर चर्चा करेंगे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष दोपहर 12:00 बजे बाई रोड चोरहटा बाईपास पहुंचेंगे यहां जिला अध्यक्ष अनूप सिंह चंदेल के नेतृत्व में उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम में जिले के विभिन्न पदाधिकारी, कार्यकर्ता और समर्थक बड़ी संख्या में उपस्थित रहेंगे। स्वागत के बाद यश घनघोरिया सीधे मानस भवन पहुंचेंगे जहां युवा कांग्रेस की महत्वपूर्ण कार्यकर्ता बैठक आयोजित की जाएगी इस बैठक में संगठन के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का परिचय कराया जाएगा साथ ही संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, युवाओं को पार्टी से जोड़ने और आगामी राजनीतिक गतिविधियों को लेकर विस्तृत चर्चा की जाएगी। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष कार्यकर्ताओं को मार्गदर्शन देंगे और संगठन को सशक्त बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी प्रदान करेंगे पार्टी सूत्रों के अनुसार यह बैठक जिले में युवा कांग्रेस को नई ऊर्जा देने और संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है बैठक के उपरांत प्रदेश अध्यक्ष मानस भवन से निकलकर उर्रहट स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंचेंगे यहां वे पत्रकार वार्ता को संबोधित करेंगे। इस दौरान वे प्रदेश और जिले की राजनीतिक परिस्थितियों, संगठन की आगामी योजनाओं एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपनी बात रखेंगे। जिला युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों ने बताया कि इस दौरे का मुख्य उद्देश्य युवाओं को कांग्रेस की विचारधारा से जोड़ना और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करना है उन्होंने कहा कि प्रदेश नेतृत्व के मार्गदर्शन से कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा का संचार होगा और संगठन को मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए जिले के सभी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं युवा कांग्रेस ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल हों ताकि संगठन की एकजुटता और ताकत का प्रदर्शन किया जा सके।

बेमौसम बारिश से किसानों को चिंता, गेहूं की फसल पककर तैयार नुकसान की आशंका

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सुबह अचानक मौसम बदल गया बैढ़न सहित जिले के कई इलाकों में हल्की से तेज बारिश हुई सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए रहे और रुक-रुक कर बारिश होती रही इस अचानक हुए मौसम परिवर्तन से तापमान में गिरावट दर्ज की गई जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली। मंगलवार को जिले का अधिकतम तापमान लगभग 36 से 38 डिग्री के आसपास था। बुधवार को बारिश के कारण यह गिरकर करीब 30 से 32 डिग्री पर पहुंच गया तापमान में आई इस गिरावट से मौसम सुहावना हो गया है हालांकि, इस बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। इस समय जिले में गेहूं की फसल या तो पूरी तरह पककर खेतों में खड़ी है या कटाई के बाद खलिहानों में रखी हुई है ऐसे में बारिश से फसल के खराब होने की आशंका बढ़ गई है यदि बारिश का यह सिलसिला जारी रहता है तो किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है मौसम विभाग के अनुसार जिले में अगले एक से दो दिनों तक इसी तरह का मौसम बने रहने की संभावना है इसे देखते हुए प्रशासन और कृषि विशेषज्ञ किसानों को सतर्क रहने और अपनी फसल को सुरक्षित रखने के उपाय अपनाने की सलाह दे रहे हैं।

प्रवेशोत्सव के साथ शुरू हुआ नया शिक्षा सत्र, छात्राओं का तिलक लगाकर किया स्वागत

जिला पंचायत अध्यक्ष ने किया शुभारंभ, विद्यार्थियों को मिलीं निःशुल्क पुस्तकें

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के सभी प्राथमिक, माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में 1 अप्रैल से नए शिक्षा सत्र की शुरुआत प्रवेशोत्सव के साथ की गई इस अवसर पर स्कूलों में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला नवप्रवेशी विद्यार्थियों का तिलक लगाकर स्वागत किया गया और उन्हें नई कक्षाओं में प्रवेश दिलाया गया जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम शासकीय एसके कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में आयोजित किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल द्वारा किया गया। उन्होंने छात्राओं का तिलक लगाकर स्वागत किया तथा उन्हें निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें वितरित कीं इस अवसर पर नीता कोल ने कहा कि नई पीढ़ी को शिक्षित और संस्कारवान बनाना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है उन्होंने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे पूरे उत्साह और लगन के साथ पढ़ाई करें क्योंकि शिक्षा ही उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। शासन द्वारा विद्यार्थियों के लिए निःशुल्क पुस्तकें, साइकिल एवं छात्रवृत्ति जैसी सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं जिनका लाभ उठाकर छात्र-छात्राएं अपने भविष्य को संवार सकते हैं। कार्यक्रम में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी मेहताब सिंह गुर्जर ने भी विद्यार्थियों को संबोधित किया उन्होंने कहा कि शिक्षा ही विकास का आधार है और निरंतर प्रयासों से ही सफलता प्राप्त होती है उन्होंने कक्षा 10वीं के बाद विद्यार्थियों को अपनी रुचि और योग्यता के अनुसार विषय चयन कर आगे की पढ़ाई करने की सलाह दी इस दौरान जिला शिक्षा अधिकारी रामराज मिश्रा ने विभागीय योजनाओं और नए शिक्षा सत्र की तैयारियों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सभी सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विद्यालय में प्रवेश सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

मच्छरों पर नियंत्रण के लिए निगम का अभियान तेज, शहरभर में फॉगिंग और दवा छिड़काव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। शहर में मच्छरों की बढ़ती समस्या को देखते हुए नगर निगम द्वारा व्यापक स्तर पर नियंत्रण अभियान चलाया जा रहा है निगमायुक्त डॉ. सौरभ सोनवणे के निर्देशानुसार स्वच्छता टीम द्वारा विभिन्न वार्डों में फॉगिंग और एंटी-लार्वा दवा का छिड़काव किया जा रहा है जिससे मच्छरजनित बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। इसी क्रम में नगर निगम की टीम ने शहर के कई वार्डों में विशेष अभियान चलाया। वार्ड क्रमांक 3 में आयुर्वेदिक हॉस्पिटल के आसपास वार्ड क्रमांक 9 म चिल्ड्रेन एकेडमी स्कूल के पास तथा वार्ड क्रमांक 45 में संजीवनी क्षेत्र, अहिरान बस्ती, ताहा कॉलोनी और हरिजन बस्ती में दवा का छिड़काव कराया गया इन क्षेत्रों में लंबे समय से मच्छरों की समस्या की शिकायत मिल रही थी जिस पर निगम ने त्वरित कार्रवाई की इसके अलावा वार्ड क्रमांक 8, 15, 18, 28, 35, 37 एवं 45 के विभिन्न मोहल्लों में भी स्वच्छता टीम द्वारा गलियों, नालियों और सार्वजनिक स्थानों पर कीटनाशक दवा का छिड़काव किया गया। निगम अधिकारियों के अनुसार यह अभियान लगातार जारी रहेगा और आगामी दिनों में शहर के अन्य वार्डों में भी नियमित रूप से फॉगिंग और दवा छिड़काव किया जाएगा। नगर निगम ने इस दौरान नागरिकों को भी जागरूक करते हुए अपील की है कि वे अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में पानी जमा न होने दें कूलर, गमले, टंकियों एवं अन्य बर्तनों को नियमित रूप से साफ रखें और उन्हें ढककर रखें ताकि मच्छरों के पनपने की संभावना कम हो सके स्वास्थ्य विभाग के अनुसार मच्छरों के कारण डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है ऐसे में नगर निगम द्वारा चलाया जा रहा यह अभियान शहरवासियों के स्वास्थ्य के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है

विवाह बनाम स्वतंत्रता : आधुनिक रिश्तों की परिवर्तनशीलता को स्वीकारें

संपादकीय

आधुनिकता के संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहे वयस्कों के रिश्तों को लेकर समय-समय पर देश की विभिन्न अदालतों के फैसले सामने आते रहे हैं। उनमें कई विरोधाभास भी नजर आते रहे हैं। इसी तरह इलाहाबाद उच्च न्यायालय के दो हालिया फैसलों ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता और विवाह संस्था के बीच पैदा हुई नाजुक खाई को ही उजागर किया है। जहां एक मामले में, न्यायालय का कहना था कि वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बना लिव इन रिलेशनशिप, भले ही एक साथी विवाहित हो, अब अपराध की श्रेणी में नहीं आता। अब भले ही विवाह संस्था के पारंपरिक स्वरूप को मानने वाले इस बात को स्वीकार न करें, लेकिन इससे जुड़े हुए तमाम यक्ष प्रश्न जरूर हमारे सामने हैं। वहीं एक अन्य घटनाक्रम में न्यायालय ने एक ऐसे ही दंपति को संरक्षण देने से इनकार कर दिया। अदालत का कहना था कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के नाम पर पति या पत्नी के कानूनी अधिकारों को कमजोर करने की इजाजत नहीं दी जा सकती है। यह स्पष्ट विरोधाभास वास्तव में एक गहरी कानूनी रिक्तता को ही प्रतिबिंबित करता है। दरअसल, भारतीय कानून ने संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार के हिस्से के रूप में, परंपरागत भारतीय समाज में लिव इन रिलेशनशिप को मान्यता देने की दिशा में सावधानीपूर्वक ही कदम बढ़ाया है। इसके बावजूद भी, यह विवाह को एक कानूनी रूप से स्वीकृत संस्था के रूप में सर्वोच्च प्राथमिकता देता रहा है। जिसके अंतर्गत वयस्कों के अपने अधिकार और दायित्व भी हैं। निर्विवाद रूप से, जिन्हें आसानी से दरकिनार भी नहीं किया जा सकता है। इस परिणाम के मूल में एक न्यायिक विसंगति भी है। जहां न्यायालय लिव इन रिलेशन को अपराध की श्रेणी से तो बाहर कर देता है, लेकिन उनके परिणामों को वैध ठहराने से हिचकिचाता है। दरअसल, वयस्कों के रिश्तों में यह तनाव सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि सामाजिक और नैतिक भी है।

निर्विवाद रूप से, आज भारतीय समाज एक बड़े संक्रमणकालीन दौर से गुजर रहा है। जिसमें भारतीय परंपरागत जीवन मूल्यों तथा तेजी से बदलते रिश्तों के बीच का एक द्वंद्व भी शामिल है। यह एक हकीकत है कि आधुनिक जीवन में रिश्तों में स्वतंत्रता की बयार स्त्री की आर्थिक आत्मनिर्भरता से परवान चढ़ी है। लेकिन भारत जैसे परंपरावादी समाज में सदियों से विवाह एक अनुबंध होने के साथ-साथ एक गहरी सामाजिक मान्यता भी है। लेकिन इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि भारतीय समाज में आधुनिक रिश्तों की वास्तविकता कहीं अधिक परिवर्तनशील भी है। वयस्कों के रिश्तों में व्यक्ति आगे बढ़ता है, कभी-कभी बिना औपचारिक समापन के भी। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि कानून भी मौजूदा परिदृश्य की इस वास्तविकता से अनभिज्ञ नहीं रह सकता।

भगदड़ हादसा आस्था स्थल शमशानघाट बनते रहेगें

नरेंद्र भारती

बिहार के नालंदा जिले में स्थित शीतला माता मंदिर में हुआ, जहां 31 मार्च 2026 को भगदड़ मचने से 8 श्रद्धालुओं की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। मृतकों में ज्यादातर महिलाएं शामिल हैं। घटना के बाद मंदिर परिसर और अस्पताल में अफरा-तफरी का माहौल रहा। प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए मंदिर और मेला को बंद करा दिया है तथा स्थिति को नियंत्रण में करने के प्रयास किए जा रहे हैं मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हादसे पर दुख जताया है और मृतकों के आश्रितों को 6 लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने का निर्देश दिया है। साथ ही, घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था सुनिश्चित करने के आदेश भी जारी किए गए हैं चारों तरफ लाशों का अंबार लग गयाद्य पल भर में जीते जागते लोग लाशों में तब्दील हो गए यह बहुत ही भयानक मंजर था द्य सरकार ने मृतकों के लिए दस दस लाख मुआवजे का ऐलान कर दिया हैद्य गत 27 जुलाई 2025 रविवार को हरिद्वार के प्रसिद्ध मनसा देवी मंदिर में करंट फैलने की अफवाह फैलने से दर्जनों श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी और 50 के लगभग घायल हो गए थे द्य मनसा देवी मंदिर के पैदल मार्ग पर यह हादसा हुआ द्य मंदिर से करीब सौ मीटर पहले सीढीओं पर यह भगदड़ का खौफनाक मंजर हुआ था द्ययहां करीब दस हजार लोग मौजूद थे भीड़ बहुत थी द्य 29 जून 2025 को पुरी में रथ यात्रा के दौरान भगदड़ मचने से तीन लोगों की मौत हो गई थी और काफ़ी लोग घायल हुए थे द्य 8 जनवरी 2025 को तिरुपति में भगदड़ मचने से 6 लोगों की मौत हो गई थी और बहुत लोग घायल हो गए हैं द्य 2 जुलाई 2024 को उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक सत्संग में भगदड़ मचने से 121 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी और सेकड़ों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए थे द्य मई माह में गोवा के शिरगांव में यात्रा के दौरान बिजली का तार गिरने से भगदड़ मचने से 7 लोगों की मौत हो गई थी और 50 लोग घायल हो गए थे द्य भगदड़ के मामले बढ़ते ही जा रहे हैं द्य कुछ माह पहले दिल्ली में भगदड़ मचने से रेलवे स्टेशन शमशानघाट बन गया था दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भीड़ में भगदड़ मचने से काफ़ी लोग मारे गए थे अब गोवा में एक बार फिर लाशों के ढेर लग गए चारों तरफ लाशें ही लाशें बिखर गई द्य रेलवे स्टेशन से यह लोग महाकुम्भ जा रहे 18 लोगों की मौत हो गई थी द्य देश में भगदड़ की घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही हैं और बेकसूर लोग बेमौत मर रहे हैं 15 फ़रवरी शनिवार देर रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ मचने से 18 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी द्य अभी कुम्भ की घटना की स्याही भी नहीं सुखी थी की दिल्ली में यह हादसा हो गया कुछ दिन पहले संगम स्थल पर हुआ था प्रयागराज में कुम्भ मेले में भगदड़ मचने से दर्जनों लोग मारे गए थे और सेकड़ों घायल हो गए थे द्य रेलवे स्टेशन पर मची भगदड़ में मरने वालों की संख्या में वृद्धि हो सकती है द्य ऐसा हादसा इससे पहले हाथरस में सत्संग में भगदड़ मचने से 120 लोगों की दर्दनाक मौत हो गई थी द्यकुछ वर्ष पहले विजयदशमी के दिन रावण दहन के अवसर पर बिहार की राजधानी पटना के गांधी मैदान में देखने को मिला था जहां बिजली का तार टूटने की अफवाह से भगदड़ मचने के कारण33 लोगो की दर्दनाक मौत हो गई थी और 100 से ज्यादा घायल हो गए थे काश प्रशासन ने पिछली घटनाओं से सबक सीखा होता तो यह हादसा न होता। देश में भगदड़ मचने का यह कोई पहला हादसा नहीं है इससे पहले सैंकडों हादसे हो चुके है और हजारों लोग बेमौत मारे जा चुके है मगर यह हादसे कम नहीं हो रहे हैं। इन घटनाओं को हादसा नहीं हत्याऐं कहना गलत नहीं होगा। इस रावण दहन के अवसर पर गांधी मैदान में पांच लाख लोग आए थे लेकिन प्रशासन ने केवल एक ही द्वार खोल रखा था। कुम्भ में भगदड़ के कारण जिन्दा लोग पल भर में लाशों में बदल गए। देश में मंदिरों में मेले व अन्य पर्व अब आस्थास्थल न होकर मरणस्थल बनते जा रहे हैं। कुम्भ में चारों तरफ लाशों के ढेर ही नजर आ रहे थे। लोगों का सामान चारों तरफ बिखरा पडा था। भगदड़ में सैकडों महिलाएं ,बच्चे व बुर्जुग पैरों तले कुचल दिए गए , लोग बदहवाश होकर अपनों को ढूंढ रहे थे।मगर उनके अपने मौत की नीद सो चुके थे।चारों तरफ चप्पलें व जूते नजर आ रहे थे। इसे प्रशासन की लापरवाही की संज्ञा दी जाए तो कोई आतिश्योक्ति नहीं होगी।

अदम्य बल, अटूट भक्ति: श्री हनुमान जन्मोत्सव का दिव्य संदेश

2 अप्रैल 2026 (गुरुवार) को चैत्र मास की पूर्णिमा के पावन अवसर पर श्री हनुमान जन्मोत्सव पूरे विश्व में अत्यंत श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। भगवान श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी को शक्ति, भक्ति, साहस, निष्ठा, विनम्रता और समर्पण का सर्वोच्च प्रतीक माना जाता है। इस पावन व पवित्र दिन मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन, हनुमान चालीसा तथा सुंदरकांड का पाठ किया जाता है। हनुमान भक्त व्रत रखते हैं और बालाजी महाराज को चूरमा, लड्डू, पेड़ा, नारियल, लाल ध्वज व सिंदूर अर्पित करते हैं। मान्यता है कि इस दिन उनकी उपासना से भय, संकट, रोग, भूत-प्रेत बाधा और सभी प्रकार की नकारात्मक शक्तियों से मुक्ति मिलती है। हनुमान जी अंजनी पुत्र, केसरीनंदन और पवनपुत्र कहलाते हैं, कलियुग के देवता तथा चिरंजीवी माने जाते हैं। उनका जन्म त्रेतायुग के अंतिम चरण में चैत्र पूर्णिमा को आंजन नामक पर्वतीय क्षेत्र में हुआ माना जाता है।

सुनील कुमार महला

जन्म के बाद वायुदेव ने उनका नाम मारुति रखा था, किंतु भगवान इंद्र के वज्र प्रहार से ठुड्डी (हनु) पर आघात होने के कारण वे हनुमान कहलाए। उन्हें रुद्र (भगवान् शिव) का ग्यारहवाँ अवतार माना जाता है और देवताओं के वरदान से वे अजेय, निरोग और अमर माने गए हैं। हनुमान जी असीम बल, तीक्ष्ण बुद्धि और परम भक्ति के अद्वितीय संगम हैं। श्रीरामचरितमानस सुंदरकांड में कहा गया है-अतुलितबलधामं हेमशैलाभदेहं, दनुजवनकृशानुं ज्ञानिनामग्रगण्यम्।सकलगुणनिधानं वानराणामधीशं रघुपतिप्रियभक्तं वातजातं नमामि।। वे अणिमा, लघिमा, महिमा, गरिमा, प्राप्ति, प्राकाम्य, ईशित्व और वशित्व सहित अष्ट सिद्धियों के स्वामी तथा पद्म, महापद्म, शंख, मकर, कच्छप, मुकुंद, कुंद, नील और खर्व नामक नव निधियों के दाता कहे जाते हैं और इसीलिए उन्हें कहा गया है - अष्ट सिद्धि नव निधि के दाता...। उनके बल का अलंकारिक वर्णन यह है कि 10 हजार हाथियों का बल एक ऐरावत हाथी में, 10 हजार ऐरावतों का बल एक इन्द्र में और 10 हजार इन्द्रों(भगवान् इंद्र) का बल उनके(हनुमान जी) एक रोम में निहित है। वे इच्छानुसार सूक्ष्म से विशाल रूप धारण कर सकते हैं; लंका में प्रवेश करते समय उन्होंने मसक(मच्छर) समान रूप लिया, सुरसा के सम्मुख महाविशाल हो गए और परिस्थिति के अनुसार अपने आकार का परिवर्तन किया। बाल्यकाल में उन्होंने सूर्य को फल समझकर निगलने का प्रयास किया; उसी समय राहु भी सूर्य को ग्रसने आया था, जिससे सूर्यदेव ने उन्हें दूसरा राहु समझ लिया-यह प्रसंग उनकी अपार शक्ति के साथ-साथ जिज्ञासा और साहस का भी प्रतीक है और बालकों के उत्साह को सही दिशा देने का संदेश भी देता है।

रामायण में हनुमान जी का योगदान अद्वितीय और निर्णायक है। उन्होंने समुद्र लांघकर लंका पहुँचकर सीता माता का पता लगाया, अशोक वाटिका में उन्हें श्रीराम की विजय का आश्वासन दिया, विभीषण से भेंट कर उन्हें भगवान् राम पक्ष में लाया, लंका दहन कर लंकापति रावण को चुनौती दी और युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। लक्ष्मण के प्राण बचाने के लिए वे द्रोणागिरि पर्वत सहित संजीवनी बूटी उठाकर ले आए थे। इतना ही नहीं, वानर सेना के साथ मिलकर उन्होंने लगभग 52 किमी लंबा और 3 किमी चौड़ा रामसेतु निर्माण कराने में सहयोग दिया। लंका में प्रवेश करते समय उनका सूक्ष्म रूप, विभीषण से ब्राह्मण वेश में मिलना और सीता माता से छोटे वानर रूप में संवाद उनकी नीति, विवेक और परिस्थिति-बोध को दर्शाता है। सुरसा ने उनकी बुद्धि और बल से प्रसन्न होकर रामकाज सफल होगा का आशीर्वाद दिया। पाठकों को बताता चलूं कि हनुमान जी केवल बलवान ही नहीं, अत्यंत बुद्धिमान, नीतिज्ञ और कुशल कूटनीतिज्ञ भी थे। ब्राह्मण वेश में श्रीराम से मिलकर पहले उनकी पहचान करना और फिर उचित समय पर सुग्रीव की बात रखना उनकी राजनीतिक समझ का परिचायक है। उन्होंने राम-सुग्रीव की मित्रता अग्नि को साक्षी मानकर कराई, जो निष्कपट विश्वास का प्रतीक है। जामवंत(भगवान ब्रह्मा के मानस पुत्र) द्वारा उनकी शक्ति का स्मरण कराए जाने पर उन्होंने अहंकार नहीं किया, बल्कि भगवान् श्रीराम की कृपा को आधार मानकर समुद्र पार किया-यह उनकी विनम्रता और समर्पण को दर्शाता है। उनकी सबसे बड़ी शक्ति उनकी अटूट भक्ति है; वे सर्वशक्तिमान होकर भी स्वयं को राम का सेवक मानते हैं और शक्ति-ज्ञान का अहंकार नहीं करते। वे सिखाते हैं कि शक्ति और ज्ञान का प्रदर्शन नहीं, बल्कि उसे पहचानकर लोककल्याण में लगाना ही सच्ची महानता है। उनका जीवन भक्ति (शील-संयम), ज्ञान (विवेक) और कर्म (क्रियाशीलता) का उत्कृष्ट समन्वय है। माता सीता ने उनकी भक्ति से प्रसन्न होकर उन्हें अजर-अमर और गुणों का भंडार होने का वरदान दिया-अजर अमर गुननिधि सुत होहू...। एक प्रसंग में उन्होंने अपना वक्षस्थल चीरकर दिखाया कि उसमें श्रीराम और जानकी जी विराजमान हैं, जिससे उनकी अनन्य भक्ति सिद्ध होती है। महाभारत काल में उन्होंने भीम का अहंकार तोड़ने के लिए वृद्ध वानर का रूप धारण किया, जहाँ भीम उनकी पूँछ तक नहीं हिला सके थे। वे पंचमुखी रूप (वराह, नरसिंह, गरुड़, हयग्रीव और हनुमान) में भी पूजित हैं। उनके गुरु सूर्यदेव हैं, जिनसे उन्होंने अल्प समय (कथानुसार 7 दिनों) में समस्त ज्ञान और नौ दिव्य विद्याएँ प्राप्त कीं। उनकी गदा वामहस्त कही जाती है, जिसे कुबेर द्वारा प्रदत्त और अद्वितीय शक्ति से युक्त माना गया है। उन्हें सिंदूर व भोग में चूरमा अत्यंत प्रिय है। विवरण मिलता है कि माता सीता के स्वामी की आयु वृद्धि वाले कथन से प्रेरित होकर उन्होंने अपने पूरे शरीर पर सिंदूर पोत लिया था। उनके बारह नाम-हनुमान, अंजनीसुनू, वायुपुत्र, महाबल, रामेष्ट, फाल्गुन सखा, पिंगाक्ष, अमित विक्रम, उदधिक्रमण, सीता शोक विनाशन, लक्ष्मण प्राणदाता और दशग्रीव-दर्पहा का जप करने से समस्त प्रकार की सुख-समृद्धि, आरोग्य और सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती है।इस आलेख में ऊपर बता चुका हूं कि हनुमान जी को कलियुग का देवता कहा जाता है। उन्होंने श्रीराम से वर माँगा-यावद् रामकथा... अर्थात जब तक पृथ्वी पर रामकथा का प्रचार रहेगा, तब तक वे जीवित रहेंगे; इसी कारण यह मान्यता है कि जहाँ भी रामकथा होती है, वे साक्षात उपस्थित होते हैं। उनके समक्ष कोई मायावी शक्ति टिक नहीं सकती। वे राम रसायन के धारक हैं और संकट मोचन कहलाते हैं। राजस्थान के श्रीसालासर बालाजी धाम (चूरू) और श्री मेहंदीपुर बालाजी (दौसा) जैसे प्रसिद्ध स्थलों पर लाखों श्रद्धालु हर साल दर्शन करते हैं, सवामणी चढ़ाते हैं और अपनी मनोकामनाएँ पूर्ण होने की कामना करते हैं। उनके बारे में श्रीमद्गोस्वामी तुलसीदास जी विरचित श्रीरामचरितमानस सुंदरकांड में क्या खूब कहा गया है-कवन सो काज कठिन जग माहीं।जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं। इसका मतलब यह है कि-हे हनुमान जी! इस संसार में ऐसा कौन-सा कार्य है जो कठिन हो और आपके द्वारा पूरा न किया जा सके?

अंततः, यही कहूंगा कि हनुमान जी का जीवन त्याग, सेवा, धैर्य, उत्साह, परोपकार, संयम और अहंकार-रहित समर्पण का अनुपम आदर्श प्रस्तुत करता है। हनुमान जी के बारे में सुंदरकांड में कहा गया है-और देवता चित्त न धरई।हनुमत सेइ सर्ब सुख करई। इसका मतलब यह है कि-जो व्यक्ति अपने मन को इधर-उधर भटकाने के बजाय अन्य देवताओं में नहीं उलझाता और केवल हनुमान जी की सेवा (भक्ति) करता है, उसे सभी प्रकार के सुखों की प्राप्ति होती है। हनुमान जी सिखाते हैं कि सच्ची भक्ति वही है, जिसमें स्वयं को भूलकर दूसरों के कल्याण में लगना हो; शक्ति और बुद्धि का संतुलन बनाए रखना हो; और आत्मविश्वास, श्रद्धा तथा समर्पण से असंभव को संभव बनाया जा सकता है। आपके बारे में कहा गया है-सब सुख लहै तुम्हारी सरना।तुम रक्षक काहू को डरना॥ इसका मतलब यह है कि जो व्यक्ति सच्चे मन से हनुमान जी की शरण में जाता है, उसे सभी प्रकार के सुख प्राप्त होते हैं। जब हनुमान जी स्वयं रक्षक बन जाते हैं, तो फिर उसे किसी भी प्रकार का भय नहीं रहता। बहरहाल,आज के समय में, जब मनुष्य अपने कर्तव्यों से विमुख होता जा रहा है, हनुमान जी का चरित्र हमें सही दिशा देता है-विनम्र रहकर, सेवा भाव से और लोकमंगल के लिए कार्य करते हुए जीवन को सार्थक बनाना ही सच्ची भक्ति है। जय श्री राम, जय हनुमान।

भीड़ में भी अपनी अलग दुनिया बसाए इन मासूमों को पहचानिए

दिलीप कुमार पाठक

(02 अप्रैल विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस)

दुनिया की इस भागदौड़ और शोर-शराबे में जब हम सामान्य होने का दिखावा कर रहे होते हैं, तब हमारे बीच ही कुछ ऐसे मासूम चेहरे होते हैं जिनकी अपनी एक खामोश और अलग दुनिया होती है। 2 अप्रैल का दिन कैलेंडर में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस के रूप में दर्ज है, लेकिन सवाल यह है कि क्या हम वाकई इस शब्द के पीछे के मर्म को समझते हैं? ऑटिज्म, जिसे हिंदी में स्वलीनता कहते हैं, कोई बीमारी नहीं है। यह तो कुदरत का एक अलग अंदाज है, जहाँ किसी बच्चे के सोचने, समझने और दूसरों से जुड़ने का तरीका हमसे थोड़ा अलग होता है। अक्सर हम ऐसे बच्चों को देखकर या तो नजरें चुरा लेते हैं या फिर उन पर बेचारा होने का ठप्पा लगा देते हैं। समाज की यही सहानुभूति दरअसल उनके लिए सबसे बड़ा पिंजरा बन जाती है। हमें समझने की जरूरत है कि ऑटिज्म से पीड़ित व्यक्ति को हमारी दया की नहीं, बल्कि हमारे साथ और सम्मान की जरूरत है। वे दुनिया को वैसे नहीं देखते जैसे हम और आप देखते हैं। उनके लिए रंगों के मायने अलग हो सकते हैं, भीड़ का शोर उन्हें डरा सकता है और उनकी खामोशी में ही सबसे गहरा संवाद छिपा होता है। पहचान की बात करें तो इसके लक्षण बहुत सूक्ष्म होते हैं। ऐसे बच्चे अक्सर सीधे नजरें मिलाने से कतराते हैं। उन्हें अपनी बात कहने या दूसरों की बात समझने में मुश्किल होती है। कई बार वे एक ही क्रिया को बार-बार दोहराते हैं, जैसे हाथों को हिलाना या गोल घूमना। वे अपनी ही धुन में रहना पसंद करते हैं और अचानक हुए किसी शोर से परेशान हो सकते हैं। अगर कोई बच्चा अपनी उम्र के हिसाब से बोलना शुरू नहीं कर रहा या सामाजिक मेलजोल से कट रहा है, तो यह संकेत हो सकता है कि वह अपनी एक अलग दुनिया में स्वलीन है। वैज्ञानिक नजरिए से देखें तो यह स्थिति जन्म से होती है और जीवन भर साथ रहती है। आंकड़े बताते हैं कि दुनिया भर में हर सौ में से एक बच्चा ऑटिज्म के साथ पैदा होता है। भारत में जागरूकता की कमी के कारण इसे अक्सर पागलपन मान लिया जाता है। विडंबना देखिए कि जिस बच्चे को सिर्फ थोड़े से धैर्य और प्यार की जरूरत थी, उसे हम अपनी गलतफहमियों की वजह से समाज से काट देते हैं। सही समय पर पहचान और ट्रेनिंग के जरिए ये बच्चे भी समाज की मुख्यधारा का हिस्सा बन सकते हैं, बस जरूरत है तो हमें अपना नजरिया बदलने की। पिछले एक दशक से पत्रकारिता और समाज को देखते हुए मैंने महसूस किया है कि ऑटिज्म इलाज का नहीं, बल्कि एहसास का विषय है।

श्री हनुमान जन्मोत्सव

हनुमान जयंती हिन्दू धर्म का एक अत्यन्त पवित्र एवं महत्वपूर्ण पर्व है, जो भगवान हनुमान के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। यह पर्व न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि यह भक्ति, साहस, निस्वार्थ सेवा और समर्पण जैसे महान जीवन मूल्यों की भी प्रेरणा देता है। भगवान हनुमान को शक्ति, बुद्धि और विद्या का देवता माना जाता है। उन्हें ''संकटमोचन'' भी कहा जाता है, जिसका अर्थ है-जो सभी संकटों को दूर करते है। ऐसी मान्यता है कि सच्चे मन से उनकी पूजा करने पर भय, दुःख, रोग और बाधायें दूर हो जाती हैं। हनुमान जयंती हमें यह सिखाती है कि जीवन में चाहे कितनी भी कनिाईयाँ क्यों न आयें, यदि भीतर दृढ़ विश्वास और समर्पण हो, तो हम हर समस्या का समाधान निकाल सकते हैं। यह पर्व आत्मबल एवं सकारात्मक ऊर्जा को भी बढ़ाने का भी माध्यम है।

जय हनुमान ज्ञान गुन सागर। जय कपीस तिहुँ लोक उजागर।।
राम दूत अतुलित बल धामा। अंजनि-पुत्र पवनसुत नामा।।

पौराणिक कथा और जन्म प्रसंग - धार्मिक ग्रन्थों के अनुसार, भगवान हनुमान का जन्म माता अंजना और वानरराज केसरी के यहाँ हुआ था उन्हें पवनदेव का आशीर्वाद प्राप्त था, इसलिए उन्हें ''पवनपुत्र'' कहा जाता है। भगवान हनुमान का जन्म हिन्दू धर्म के सबसे अद्भुत और प्रेरणादायक कथाओं में से एक है। उनका जन्म केवल एक सामान्य घटना नहीं, बल्कि देवताओं की योजना और दैवीय शक्तियों का परिणाम माना जाता है। यही कारण है कि उन्हें पवनपुत्र अर्थात् वायुदेव के पुत्र कहा जाता है। हनुमान जी की माता अंजना एक अप्सरा थी, जिन्हें एक श्राप के कारण पृथ्वी पर जन्म लेना पड़ा। उन्होंने संतान प्राप्ति के लिए कठोर तपस्या की, उनके पति वानरराज केसरी एक वीर और पराक्रमी वानर थे। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर देवताओं ने उन्हें एक दिव्य पुत्र प्राप्त होने का आशीर्वाद दिया। हनुमान जी के जन्म में पवनदेव की महत्वपूर्ण भूमिका मानी जाती है। एक कथा के अनुसार, राजा दशरथ के पुत्रेष्टि यज्ञ से प्राप्त ''खीर'' का एक अंश पवनदेव द्वारा माता अंजना तक पहुँचाया गया। उस दिव्य प्रसाद के प्रभाव से हनुमान जी का जन्म हुआ। इसी कारण उन्हें वायु की गति, शक्ति और ऊर्जा का वरदान प्राप्त हुआ।

डॉ. नीलिमा पिम्पलापुरे
लेखिका, शिक्षाविद
समाजसेविका, सागर

हनुमान जी का जन्म चैत्र मास की पूर्णिमा के दिन हुआ माना जाता है, जिसे आज हनुमान जयंती के रूप में मनाया जाता है। जन्म के समय ही वे असाधारण तेज, बल और ऊर्जा से युक्त थे। हनुमान जी का शरीर स्वर्ण के समान चमकता था और उनमें अलौकिक शक्तियाँ विद्यमान थीं। देवताओं ने उन्हें अनेक वरदान दिये-इन्द्र ने वज्र से अजेयता, सूर्य ने ज्ञान और ब्रह्मा ने अमरत्व का आशीर्वाद दिया।

बाल्यकाल की अद्भुत घटनायें - बाल्यकाल में हनुमान जी अत्यन्त चंचल और जिज्ञासु थे। एक प्रसिद्ध कथा के अनुसार, उन्होंने ऊगते हुये सूर्य को लाल फल समझकर निकलने के लिए आकाश में छलाँग लगा दी। जब उन्होंने सूर्य की ओर उड़ान भरी, तो यह देखकर देवराज इन्द्र ने उन्हें वज्र से प्रहार किया, जिससे वे घायल हो गये। इससे क्रोधिक होकर पवनदेव ने समस्त संसार में वायु का प्रवाह रोक दिया। तब सभी देवताओं ने मिलकर हनुमान जी को जीवित

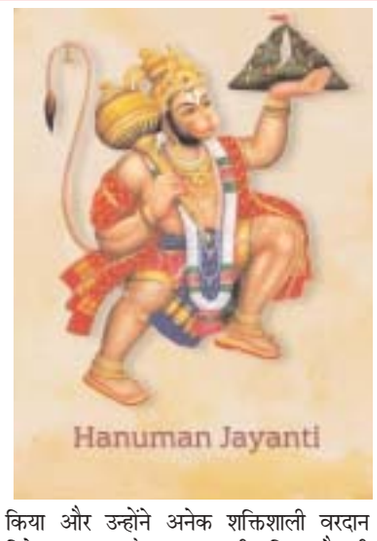

किया और उन्होंने अनेक शक्तिशाली वरदान दिये। इस घटना के पश्चात् उनकी महिमा और भी बढ़ गई। हनुमान जी की बाल लीलाओं के कारण कई ऋषि-मुनि उनसे परेशान हो गये थे। उन्होंने हनुमान जी को श्राप दिया था कि वे अपनी शक्तियों को तब तक भूल जायेंगे, जब तक कोई उन्हें उनकी शक्ति का स्मरण नहीं करायेगा। यही कारण है कि बाद में जाम्बवन्त ने उन्हें उनकी शक्ति का स्मरण कराया, जिससे वे समुद्र लांघकर लंका पहुँच सके। हनुमान जी जन्म हमें यह सिखाता है कि प्रत्येक व्यक्ति के भीतर अपार शक्ति छिपी होती है। आवश्यकता केवल उसे पहचानने और सही दिशा में उपयोग करने की होती है। वे भक्ति, साहस, विनम्रता और सेवा के आदर्श हैं। उनका जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि सच्ची भक्ति केवल शारीरिक नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक भी होती है। पवनपुत्र हनुमान का जन्म केवल पौराणिक कथा नहीं, बल्कि जीवन का एक गहरा संदेश है। यदि हममें विश्वास, भक्ति और समर्पण हो, तो हर असम्भव कार्य को भी हम सम्भव बना सकते हैं। इसलिए हनुमान जी को देवता के रूप के साथ-साथ एक प्रेरणा के रूप में भी देखा जाता है। रामायण में भगवान श्रीराम के प्रति उनकी अटूट भक्ति ने उन्हें अमर बना दिया। उनके पराक्रम-जैसे लंका दहन, संजीवनी बूटी लाना और सीता माता की खोज, उन्हें एक महान नायक के रूप में स्थापित किया है।

हनुमान जयंती के दिन भक्तगण सुबह प्रातः उठकर स्नान करके मंदिरों में जाकर भगवान हनुमान की पूजा-अर्चना करते हैं। पूजन के दौरान हनुमान चालीसा का पाठ, सुन्दर-काण्ड का पाठ एवं रामायण का पाठ किया जाता है। तेल, सिंदूर और चमेली के फूल अर्पित करके लड्डू और बूँदी का प्रसाद चढ़ाया जाता है। कई स्थानों पर अखण्ड रामायण पाठ, भजन-कीर्तन और भण्डारों का आयोजन किया जाता है। मंदिरों में विशेष सजावट और शोभा यात्रायें भी निकाली जाती हैं। भगवान हनुमान का जीवन और उनके आदर्श गुण हमें कई महत्वपूर्ण सीख देते हैं। उनकी अटूट भक्ति जो उन्होंने अपने जीवन को पूरी तरह से भगवान श्रीराम की सेवा में समर्पित कर दिया। उनकी विनम्रता, असीम शक्ति होने के बावजूद वे हमेशा विनम्र और सेवाभावी रहे। साहस और पराक्रम, जो उन्होंने हर कठिन परिस्थिति का सामना निर्भीक होकर किया। उनकी बुद्धिमत्ता, जिससे वे केवल बलशाली ही नहीं, बल्कि अत्यन्त बुद्धिमान भी थे। उनकी निस्वार्थ सेवा, उन्होंने कभी भी अपने लिए कुछ नहीं चाहा, केवल दूसरों की भलाई के लिए कार्य किए।

आधुनिक जीवन में हनुमान जयंती का महत्व - आज के तेज रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में हनुमान जयंती का महत्व और भी बढ़ जाता है। यह पर्व हमें मानसिक शांति, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विकसित करने की प्रेरणा देता है। युवाओं के लिए हनुमान जी एक आदर्श हैं, जो सिखाते हैं कि सफलता पाने के लिए शक्ति के साथ-साथ अनुशासन, समर्पण और विनम्रता भी आवश्यक है। हनुमान जयंती उत्सव के साथ ही साथ हमें जीवन को सही दिशा देने वाला प्रेरणादायक पर्व है। सच्ची भक्ति, कर्त्तव्यनिष्ठा और साहस से हम जीवन की हर चुनौती को पार कर सकते हैं। इस पावन अवसर पर हमें भगवान हनुमान जी के गुणों को अपने जीवन में अपनाने का संकल्प लेना चाहिए, ताकि हम एक बेहतर और संतुलित जीवन जी सकें।

108 संजीवनी एक्सप्रेस की 12 नई एम्बुलेंस को हरी झंडी

आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को मिली नई गति

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। चिरमिरी में 108 संजीवनी एक्सप्रेस (NAS) योजना के तहत 12 नवीन इमरजेंसी एम्बुलेंस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया, जिससे जिले में आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाओं को नई दिशा मिली है। इस पहल से स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और त्वरित प्रतिक्रिया प्रणाली को मजबूती मिलेगी, जिससे ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में समयबद्ध स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। यह कार्यक्रम चिरमिरी के बड़ा बाजार स्थित दुर्गा पंडाल में आयोजित किया गया, जहां मुख्य अतिथि के रूप में महापौर राम नरेश राय उपस्थित रहे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों द्वारा छत्तीसगढ़ महतारी की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन किया गया, और राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' तथा राज्य गीत 'अरपा पैरी के धार' का गायन भी हुआ। स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अविनाश खरे ने 108 संजीवनी एक्सप्रेस सेवा के महत्व और इसके जरिए आमजन को मिलने वाले लाभों पर प्रकाश डाला। 12 नई एम्बुलेंस की शुरुआत से अब जिले के दूरस्थ और अन्य जरूरतमंद क्षेत्रों में आपातकालीन चिकित्सा सुविधा को समय पर पहुंचाया जा सकेगा। इन एम्बुलेंसों की सेवाएं तत्काल प्रभाव से शुरू हो गई हैं। बता दें कि 31 मार्च को रायपुर में राज्य स्तरीय कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने 300 बेसिक लाइफ सपोर्ट (BLS) और 70 एडवांस लाइफ सपोर्ट (ALS) एम्बुलेंस को प्रदेश के विभिन्न जिलों के लिए रवाना किया था। इन एम्बुलेंसों में से 12 एमसीबी जिले को प्राप्त हुई हैं। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा था कि सरकार का लक्ष्य शहरी क्षेत्रों में 15 मिनट और ग्रामीण क्षेत्रों में 30 मिनट के भीतर एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध कराना है। महापौर राम नरेश राय ने इस पहल को जनजीवन की सुरक्षा और बेहतर स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने छत्तीसगढ़ शासन की दूरदर्शी सोच और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं में हो रहे सुधारों की सराहना की। उन्होंने 'राहगीर योजना' का भी उल्लेख किया और इसे जनहितकारी पहल बताया। इस मौके पर नगर पालिका निगम चिरमिरी के सभापति संतोष सिंह, पार्षद मनीष खटीक, नीलम सलूजा, राजकुमार बधावन, सुशील सिंह, पुरुषोत्तम सोनकर धर्मेंद्र त्रिपाठी, राजू नायक पूर्व महापौर डमरू बेहरा, प्रदीप सलूजा और रीत जैन सहित कई जनप्रतिनिधि और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। इस नई पहल से जिले के स्वास्थ्य क्षेत्र में एक नई उम्मीद जगी है, और अब लोगों को आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में सुधार का लाभ मिलेगा।

मंदिर से चोरी चांदी का मुकुट बरामद, किया न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। मनेंद्रगढ़ पुलिस ने मंदिर से चोरी हुए चांदी के मुकुट को बरामद कर लिया है। इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। यह घटना मनेंद्रगढ़ के वार्ड क्रमांक 18 चनवारीडांड स्थित हनुमान मंदिर में हुई थी मंदिर की देखरेख करने वाले संदीप कुमार मिश्रा ने 28 मार्च को चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि दोपहर 2 बजे पूजा के बाद मंदिर बंद कर वे घर चले गए थे शाम 5 बजे लौटने पर उन्होंने देखा कि भगवान की मूर्ति से चांदी का मुकुट गायब था चोरी की सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल जांच शुरू की टीम ने आसपास के लोगों से पूछताछ की, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया और मुखबिरों की सूचना के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। चांदी का मुकुट बरामद जांच के दौरान, पुलिस ने नौसाद अली (30), निवासी मलाई भट्ठा, मनेंद्रगढ़, और साहिल गुप्ता (28), निवासी एफसीआई गोदाम के पीछे, मनेंद्रगढ़ को हिरासत में लिया। पूछताछ में दोनों ने चोरी की वारदात स्वीकार कर ली। इसके बाद पुलिस ने उनके पास से चोरी किया गया चांदी का मुकुट बरामद कर लिया पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 331(3) और 305(डी) के तहत मामला दर्ज कर कोर्ट में पेश किया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

नेता प्रतिपक्ष महंत बोले- नक्सलवाद पूरी तरह खत्म नहीं हुआ

MCB में कहा- बस्तर के लोगों की सुरक्षा करना हर सरकार का धर्म

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने एमसीबी जिले के दौरे के दौरान नक्सलवाद पर बयान दिया। उन्होंने कहा कि देश से नक्सलवाद का पूरी तरह समाप्त होना सभी के लिए खुशी की बात होगी। इसका स्वागत किया जाना चाहिए। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि अभी नक्सलवाद पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने कहा कि बस्तर क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा करना हर सरकार का धर्म है और इस दिशा में लगातार प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने बताया कि जब वे मध्यप्रदेश में गृहमंत्री थे, उस दौरान कोई बड़ी नक्सली वारदात नहीं हुई थी। चरणदास महंत ने यह भी कहा कि नक्सलवाद जैसे गंभीर मुद्दे पर किसी एक सरकार को श्रेय देना उचित नहीं है। सिर्फ गतिविधियां घटीं विचारधारा अब भी कायम नेता प्रतिपक्ष ने जोर देकर कहा कि वर्तमान में केवल सशस्त्र नक्सलियों की गतिविधियां कम हुई हैं, लेकिन उनकी विचारधारा अभी भी बनी हुई है। उन्होंने हाल ही में हुए नक्सलियों के आत्मसमर्पण पर आशंका जताते हुए कहा कि इसमें डर, भय और लालच जैसे कारण भी शामिल हो सकते हैं चरणदास महंत ने राजनीति में गिरावट को लेकर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि 90 के दशक तक राजनीतिक माहौल बेहतर था, लेकिन अब स्थितियां बदल गई हैं। वर्तमान में बिखराव बढ़ गया है और अपनापन खत्म होता जा रहा है, जो इस गिरावट का प्रमुख कारण है अफीम की खेती का मुद्दा उठाया चरणदास महंत ने अफीम की खेती के मुद्दे पर अपनी बात रखी। उन्होंने लोकसभा में इस विषय को उठाने के लिए ज्योत्स्ना महंत को धन्यवाद दिया और कहा कि यदि छत्तीसगढ़ में अफीम की अच्छी पैदावार हो सकती है तो किसानों को इसकी खेती की अनुमति दी जानी चाहिए, जैसा कि मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश में दी जाती है स्वास्थ्य मंत्री के काम की सराहना नेता प्रतिपक्ष ने स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि वे अच्छा काम कर रहे हैं। वहीं सूरजपुर के अस्पताल में बच्चे की मौत के बाद मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े अस्पताल जाकर हंगामा करने के मामले में उन्होंने कहा कि कुछ लोग ईर्ष्या के कारण आलोचना करते हैं, लेकिन वे इस तरह की राजनीति में विश्वास नहीं रखते। गांव चलो अभियान को बताया सकारात्मक पहल वहीं, मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के गांव चलो अभियान को चरणदास महंत ने एक सकारात्मक पहल बताया। उन्होंने कहा कि ऐसी योजनाएं गांवों के विकास में सहायक होंगी और इसका स्वागत किया जाना चाहिए।

बेलतरा के 18 वार्डों में 10 करोड़ के विकास कार्य विधायक की पहल पर 68 कार्यों को स्वीकृति

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर के बेलतरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत बिलासपुर नगर निगम में शामिल 18 वार्डों में जल्द ही 10 करोड़ रुपए के विकास कार्य शुरू होंगे नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने अधोसंरचना मद के तहत बेलतरा विधायक सुशांत शुक्ला की पहल पर इन कार्यों को स्वीकृति दी है विधायक सुशांत शुक्ला ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उपमुख्यमंत्री अरुण साव के प्रति आभार व्यक्त किया है उन्होंने बताया कि 6 करोड़ 41 लाख 55 हजार रुपये के विकास कार्यों के लिए निविदा प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है शुक्ला ने दावा किया कि इन कार्यों के पूरा होने से आम जनता को सड़क और पानी निकासी की समस्या से राहत मिलेगी। साथ ही पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था भी सुनिश्चित की जा सकेगी बेलतरा क्षेत्र के अंतर्गत नगर निगम में शामिल जिन वार्डों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए निर्माण कार्य कराए जाएंगे उनमें राजकिशोर नगर, खमतराई बहतराई और चिंगराजपारा प्रमुख हैं इनमें वार्ड क्रमांक 48 में आरसीसी नाली और सीसी रोड निर्माण कार्य के लिए 17 लाख रुपए से अधिक की राशि स्वीकृत की गई है इसी प्रकार, वार्ड क्रमांक 50 में दो सड़कों की बीटी रोड मरम्मत के लिए 20 लाख रुपए का प्रावधान है वार्ड क्रमांक 51 के राजकिशोर नगर में 54 लाख रुपए से शनि मंदिर रोड तुलसी आवास और चंदन आवास में नाली निर्माण मरम्मत कार्य और सीसी सड़क का निर्माण कार्य शामिल है।

समय सीमा की वर्चुअल बैठक सम्पन्न, कलेक्टर ने सख्त निर्देश दिए

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में प्रशासनिक कार्यों में तेजी लाने और जनसमस्याओं के त्वरित निराकरण के उद्देश्य से कलेक्टर डी. राहुल वेंकट ने एक वर्चुअल बैठक आयोजित की। इस बैठक में उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समय पर पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है और इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में शासकीय योजनाओं, जिला खनिज न्यास मद से स्वीकृत कार्यों, लंबित प्रकरणों और जन शिकायतों की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने सभी विभागों को निर्देशित किया कि जन शिकायतों का निराकरण एक सप्ताह के भीतर किया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। न्यायालयीन मामलों में भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। अमृत धारा योजना के अंतर्गत लंबित भुगतान की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने भुगतान प्रक्रिया में तेजी लाने की बात कही। साथ ही, उन्होंने ऑनलाइन अटेंडेंस प्रणाली के शत-प्रतिशत पालन और पारदर्शिता बनाए रखने पर जोर दिया। स्किल डेवलपमेंट की समीक्षा में युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण प्रदान करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने अंत में कहा कि समय-सीमा में कार्य पूर्ण करना ही सुशासन की पहचान है, और सभी अधिकारी इसे सर्वोच्च प्राथमिकता दें।

नए ठेकों से पहले महंगे दाम पर बेचने की थी तैयारी 24 पेटी शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के करैरा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 24 पेटी देशी शराब के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी नए आबकारी ठेकों से पहले सस्ती शराब खरीदकर बाद में महंगे दामों पर बेचने की तैयारी में था करैरा थाना प्रभारी निरीक्षक विनोद सिंह छवई ने बताया कि पुलिस अधीक्षक अमन सिंह राठौड़ के निर्देश पर अवैध गतिविधियों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में 1 अप्रैल 2024 को पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम टीला निवासी कमलेश राय ने अपने कुएं पर बने कमरे में अवैध शराब का भंडारण कर रखा है। सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस टीम मौके पर पहुंची, जहां कमलेश राय (45) नामक व्यक्ति मिला। तलाशी के दौरान, कमरे में भूसे के बीच छिपाकर रखी 24 कार्टून देशी प्लेन शराब बरामद की गई। प्रत्येक कार्टून में 50-50 क्वार्टर भरे हुए थे। आरोपी कमलेश राय शराब रखने और बेचने का कोई वैध दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका। पुलिस ने करीब 1.20 लाख रुपए कीमत की कुल 24 पेटी शराब जब्त कर ली है। आरोपी के खिलाफ धारा 34(2) म.प्र. आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच में सामने आया कि 1 अप्रैल से लागू नई आबकारी नीति के कारण जिले में शराब ठेकों में बदलाव हुआ है। जिन पुराने ठेकेदारों को नए ठेके नहीं मिले, उन्होंने अपना स्टॉक खत्म करने के लिए कम दामों में शराब बेची थी। आरोपी ने इसी स्थिति का फायदा उठाते हुए सस्ती शराब खरीदकर उसे बाद में अधिक दामों पर बेचने की योजना बनाई थी।

'नवा तरिया आय के जरिया' से बदलेगी तस्वीर 'मोर गांव मोर पानी' बनेगा जल क्रांति का आधार

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में बढ़ते जल संकट और सूखे की चुनौती से निपटने के लिए प्रशासन ने एक नई और दूरदर्शी पहल की शुरुआत की है। 'नवा तरिया आय के जरिया' थीम के तहत 'मोर गांव मोर पानी' अभियान को जनआंदोलन का रूप देने की दिशा में खड़गवां विकासखंड स्तर पर कलेक्टर डी. राहुल वेंकट की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस अभियान का उद्देश्य जल संरक्षण को प्राथमिकता बनाते हुए स्थायी समाधान सुनिश्चित करना है। बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि अब जल संरक्षण केवल योजना नहीं, बल्कि हर विभाग और नागरिक की जिम्मेदारी है। उन्होंने सूखा प्रभावित क्षेत्रों में जल संचयन और संवर्धन के कार्यों को तेजी से पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि गांवों को दीर्घकालिक राहत मिल सके।

हर गांव में नया तरिया, हर खेत तक पानी: कलेक्टर ने मनरेगा, कृषि, मत्स्य पालन और वन विभाग के समन्वय से नए तालाब (तरिया) निर्माण, अमृत सरोवर विकास और अन्य जल संरचनाओं को गति देने के निर्देश दिए। इससे जल संरक्षण के साथ-साथ खेती और मत्स्य पालन को भी बढ़ावा मिलेगा।

तकनीकी उपायों से बढ़ेगा भू-जल स्तर: भू-जल स्तर सुधारने के लिए कंटूर ट्रेंच, वाटर एब्जॉर्पशन ट्रेंच (WAT), मिट्टी के बांध और परकोलेशन टैंक जैसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। भूमि संरक्षण विभाग को माइनर टैंक निर्माण तथा जल संसाधन विभाग को लिफ्ट इरिगेशन और नहर मरम्मत कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए गए।

किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगा लाभ: इस अभियान के तहत दलहन-तिलहन उत्पादन बढ़ाने और मत्स्य पालन को प्रोत्साहित करने पर जोर दिया गया है। इससे किसानों की आय में वृद्धि होगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी। नए वित्तीय वर्ष की शुरुआत के साथ अभियान को तेज गति देने के निर्देश दिए गए हैं। कलेक्टर ने अप्रैल के प्रथम सप्ताह तक सभी प्रस्तावों को अंतिम रूप देने की समय सीमा तय करते हुए सख्ती बरतने की बात कही।

सड़क हादसा, हअमोला घाटी पर खड़े टैंकर में डंपर ने मारी टक्कर चालक फरार ल्पर की मौत

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के सुरवाया थाना क्षेत्र में मंगलवार रात एक सड़क हादसे में डंपर हेल्पर की मौत हो गई। अमोला घाटी स्थित एनएच-27 पर खड़े एक टैंकर में पीछे से आ रहे डंपर ने टक्कर मार दी थी। मृतक की पहचान मुरैना निवासी अजीत गुर्जर के रूप में हुई है यह हादसा मंगलवार रात करीब 11 बजे हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि डंपर में सवार हेल्पर केबिन में फंस गया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और काफी प्रयासों के बाद हेल्पर को बाहर निकाला। उसे गंभीर हालत में मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया हादसे के बाद डंपर चालक फरार हादसे के बाद डंपर चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश कर रही है। बताया गया है कि शिवपुरी की ओर आ रहा टैंकर रास्ते में खराब हो गया था, जिसके कारण उसे हाइवे किनारे खड़ा किया गया था। इसी दौरान तेज रफ्तार डंपर ने पीछे से उसमें टक्कर मार दी पुलिस ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त टैंकर खाली था। सुरवाया पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

12वीं का छात्र तीन दिन से लापता : पेनकार्ड बनवाने निकला,पिता ने एसपी से लगाई गुहार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले के नरवर क्षेत्र से 12वीं कक्षा का छात्र नंदकिशोर कुशवाह संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया है। वह 29 मार्च की सुबह घर से निकला था, लेकिन अब तक वापस नहीं लौटा है। ग्राम बडादाहा निवासी सुघर सिंह कुशवाह ने पुलिस अधीक्षक को दिए आवेदन में बताया कि उनका बेटा नंदकिशोर 29 मार्च को सुबह करीब 8 बजे पेनकार्ड बनवाने के लिए नरवर के धुबाई चौराहे जाने की बात कहकर निकला था। परिवार के लोगों ने रिश्तेदारों और आसपास के क्षेत्रों में युवक की तलाश की, लेकिन उसका कोई सुराग नहीं मिला। लगातार खोजबीन के बाद भी स्थिति जस की तस बनी हुई है। पिता ने बताया कि पहले चौकी आमोल में शिकायत की, जहां सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद थाना अमोला में गुमशुदगी दर्ज कराई गई, लेकिन तीन दिन बीतने के बाद भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला है।

पढ़ाई के लिए नरवर में रहता था छात्र नंदकिशोर 12वीं कक्षा का छात्र था और नरवर कस्बे में किराए के कमरे में रहकर पढ़ाई करता था। परीक्षा समाप्त होने के बाद वह अपने गांव लौट आया था। हताश पिता ने अब पुलिस अधीक्षक से बेटे की तलाश के लिए गुहार लगाई है। परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है और वे जल्द से जल्द बेटे की सुरक्षित वापसी की उम्मीद कर रहे हैं।

लोहारी में 'आजीविका सेवा केंद्र' का शुभारंभ महिलाओं के सपनों को मिला सशक्त मंच

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। विकासखंड मनेंद्रगढ़ के ग्राम लोहारी में हाल ही में 'आजीविका सेवा केंद्र' का शुभारंभ हुआ, जो अब केवल एक सुविधा केंद्र नहीं, बल्कि महिलाओं के आत्मविश्वास, आत्मनिर्भरता और सशक्तिकरण का नया प्रतीक बन चुका है। एकीकृत कृषि क्लस्टर परियोजना के तहत स्थापित इस केंद्र का उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक, सामाजिक और कौशल आधारित सशक्तिकरण की दिशा में मजबूत पहचान देना है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष राजेश साहू मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जबकि जनप्रतिनिधियों, स्व-सहायता समूहों की महिलाओं और आजीविका से जुड़े कार्यकर्ताओं की बड़ी संख्या ने कार्यक्रम को सफल बनाने में अहम योगदान दिया। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी ने यह स्पष्ट कर दिया कि अब गांव की महिलाएं सिर्फ सहभागिता नहीं, बल्कि नेतृत्व की भूमिका में भी आगे बढ़ रही हैं। यह केंद्र उज्जवल बिहान महिला आजीविका संकुल संगठन, घुटरा द्वारा संचालित किया जाएगा और महिलाओं के लिए एक 'वन-स्टॉप प्लेटफॉर्म' के रूप में कार्य करेगा। इस केंद्र में महिलाएं कृषि आधारित गतिविधियों, स्वरोजगार, प्रशिक्षण, तकनीकी मार्गदर्शन और विपणन जैसी सुविधाओं का लाभ उठा सकेंगी। इससे उन्हें अपने व्यवसाय को बढ़ाने और आर्थिक रूप से सशक्त बनने का मौका मिलेगा। विशेषज्ञों का मानना है कि जब महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होती हैं, तो इसका सकारात्मक असर न केवल उनके परिवारों पर, बल्कि पूरे समाज पर भी पड़ता है। यह केंद्र महिलाओं को आय के नए साधन उपलब्ध कराएगा, साथ ही निर्णय लेने की क्षमता, आत्मसम्मान और सामाजिक पहचान भी प्रदान करेगा। गांव की अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई रफ्तार यह पहल केवल महिलाओं के लिए नहीं, बल्कि पूरे ग्रामीण क्षेत्र के विकास से जुड़ी है। स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसरों के सृजन से पलायन को रोकने में मदद मिलेगी, जिससे गांव की अर्थव्यवस्था को भी नई दिशा मिलेगी। कदम बताया कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने इसे महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने महिलाओं को आगे बढ़ने, नए अवसरों का लाभ उठाने और आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस केंद्र को ग्रामीण भारत की तस्वीर बदलने में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया। कार्यक्रम के अंत में नवा बिहान महिला आजीविका संकुल संगठन के पदाधिकारियों ने सभी अतिथियों और उपस्थित जनों का आभार व्यक्त किया। लोहारी का यह केंद्र अब केवल एक शुरुआत नहीं, बल्कि उस बदलाव की नींव है, जहां महिलाएं न केवल सहयोगी, बल्कि नेतृत्वकर्ता के रूप में उभरेंगी।

मध्य प्रदेश में अप्रैल में बदलेगा मौसम का मिजाज, पहले सप्ताह आंधी-बारिश, फिर 15 से पड़ेगी भीषण गर्मी

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में अप्रैल का महीना मौसम के बड़े उतार-चढ़ाव के साथ शुरू हो रहा है। जहां महीने के पहले सप्ताह में आंधी, बारिश और ओलों का असर देखने को मिलेगा, वहीं 15 अप्रैल के बाद प्रदेश भीषण गर्मी और लू की चपेट में आ जाएगा। मौसम विभाग के अनुसार, 1 से 4 अप्रैल तक प्रदेश के लगभग आधे हिस्से में मौसम खराब रहने का अलर्ट जारी किया गया है। आज बुधवार को इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर सहित कुल 29 जिलों में चेतावनी दी गई है। अगले 24 घंटों में ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मैहर, रीवा, मऊगंज, सीधी, सिंगरौली, शहडोल, अनूपपुर, आगर-मालवा, राजगढ़, शाजापुर, सीहोर, खंडवा, बुरहानपुर, खरगोन, इंदौर, उज्जैन, रतलाम, झाबुआ, अलीराजपुर, धार और बड़वानी में मौसम बदलने की संभावना है। पिछले दो दिनों से प्रदेशभर में मौसम का मिजाज बदला हुआ है। 12 जिलों में ओलावृष्टि दर्ज की गई, जबकि 41 से अधिक जिलों में तेज आंधी और बारिश का असर रहा। मंगलवार को धार जिले के कुक्षी और मनावर में ओले गिरे, वहीं कई जगह रात में भी मौसम सक्रिय रहा। हालांकि, इन बदलावों के बीच गर्मी का असर भी कम नहीं हुआ है। नर्मदापुरम में तापमान 40.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। खजुराहो में 39.2 डिग्री, रतलाम और नौगांव में 39 डिग्री, दमोह में 39.1 डिग्री, जबकि खरगोन, रायसेन और उमरिया में तापमान 38 डिग्री के आसपास रहा। बड़े शहरों की बात करें तो भोपाल और जबलपुर में तापमान 37 डिग्री, इंदौर और ग्वालियर में 36.6 डिग्री तथा उज्जैन में 36 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार फिलहाल प्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन और ट्रफ सक्रिय हैं, जबकि 2 अप्रैल से एक नया वेस्टर्न डिस्टर्बेंस भी प्रभाव डालेगा। इसके चलते 4 अप्रैल तक कहीं आंधी तो कहीं बारिश जारी रह सकती है। इसके बाद मौसम साफ होते ही तापमान में तेजी से बढ़ोतरी होगी। दूसरे सप्ताह से गर्मी का असर तेज हो जाएगा, जबकि अप्रैल के आखिरी सप्ताह में ग्वालियर, धार, खरगोन, बड़वानी और नौगांव-खजुराहो जैसे इलाकों में तापमान 44 से 45 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है। दतिया, मुरैना, श्योपुर सहित कई जिलों में भी तापमान में लगातार बढ़ोतरी देखने को मिलेगी। प्रदेश के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में गर्म हवाओं के चलते लू की स्थिति बन सकती है।

जान से मारने की धमकी देकर नाबालिग किशोरी से दुष्कर्म,केस दर्ज

मीडिया ऑडीटर, राजगढ़ (निप्र)। लीमाचौहान थाना क्षेत्र के एक मौहल्ले में रहने वाली 17 वर्षीय किशोरी ने वहीं के युवक पर बहला-फुसलाकर पुराने घर में ले जाने और जान से मारने की धमकी देते हुए गलत काम करने व आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बुधवार को मौके से फरार आरोपित के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की। पुलिस के अनुसार 17 वर्षीय किशोरी ने बताया कि 23 मार्च को मौहल्ले का कुशल पुत्र विजय सिंह दांगी बहला-फुसलाकर पुराने घर में ले गया,जहां उसने जान से मारने की धमकी देते हुए गलत काम किया साथ ही आपत्तिजनक वीडियो वायरल करने की धमकी दी,चिल्लाने पर आरोपित मौके से भाग गया। पुलिस ने मौके से फरार आरोपित के खिलाफ धारा 64(2)एम, 351(3) बीएनएस, 5एल/6 पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर तलाश शुरू की।

भोजशाला मामले में सुप्रीम कोर्ट ने टाली सुनवाई अब 2 अप्रैल को हाईकोर्ट में होगी अहम सुनवाइ

मीडिया ऑडीटर, धार (निप्र)। धार के ऐतिहासिक भोजशाला मामले में बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में प्रस्तावित सुनवाई टल गई है। अदालत ने फिलहाल इस मामले में सुनवाई आगे बढ़ाते हुए स्पष्ट किया है कि प्रक्रिया अभी हाईकोर्ट में ही जारी रहेगी। अब इस बहुचर्चित मामले की अगली सुनवाई 2 अप्रैल को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में होगी।

सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष ने लगाई थी याचिका: मुस्लिम पक्ष की ओर से कमाल मौलाना वेलफेयर सोसाइटी ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। इसमें मांग की गई थी कि 2 अप्रैल को हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई से पहले उनकी बात सुनी जाए। मुस्लिम पक्ष का कहना था कि 11 मार्च को भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एसआई) द्वारा किए गए सर्वे की वीडियोग्राफी उपलब्ध कराई जाए। 16 मार्च की सुनवाई में इस पर कोई स्पष्ट आदेश नहीं मिलने के बाद सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया गया था। हिंदू फ्रंट फॉर जस्टिस के याचिकाकर्ता आशीष गोयल के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई फिलहाल टाल दी है और कहा है कि मामला अभी हाईकोर्ट में ही सुना जाएगा।

2 अप्रैल को हाईकोर्ट में अहम सुनवाई: अब भोजशाला मामले की अगली और अहम सुनवाई 2 अप्रैल को मध्य प्रदेश हाईकोर्ट, इंदौर खंडपीठ में होगी। इस सुनवाई को काफी महत्वपूर्ण माना जा रहा है, जिसमें दोनों पक्ष अपनी-अपनी दलीलें विस्तार से रखेंगे।इससे पहले 28 मार्च को हाईकोर्ट के न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला और आलोक अवस्थी ने भोजशाला परिसर का निरीक्षण किया था। इस घटनाक्रम के बाद से मामला और अधिक संवेदनशील हो गया है।

प्रदेशभर की नजरें टिकीं: भोजशाला विवाद लंबे समय से न्यायालय में लंबित है। इस पर न केवल धार, बल्कि पूरे प्रदेश की नजरें टिकी हुई हैं। अब 2 अप्रैल की सुनवाई से इस मामले में आगे की दिशा तय होने की उम्मीद जताई जा रही है।

भोपाल में शॉर्ट एनकाउंटर में हत्या का आरोपी आसिफ गिरफ्तार

पुलिस बोली : हमला कर भाग रहा था; हिंदू संगठन एनकाउंटर और बुलडोजर चलाने कर रहे थे प्रदर्शन

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। भोपाल के अशोका गार्डन इलाके में 35 वर्षीय चाय कारोबारी विजय राजपूत मेवाड़ (बिट्टू) की हत्या करने के मुख्य आरोपी आसिफ उर्फ बम को शॉर्ट एनकाउंटर के बाद पकड़ लिया गया है। इससे पहले पुलिस ने तीन संदेहियों फरमान, कालू और इमरान को पकड़ लिया था। आसिफ की तलाश की जा रही थी। आसिफ ने रविवार रात कारोबारी की चाकू घोंपकर हत्या कर दी थी। इससे पहले आरोपी को पकड़ने, उसका एनकाउंटर करने और मकान पर बुलडोजर चलाने के लिए हिंदू संगठन के लोग सुबह 11.30 बजे से प्रदर्शन कर रहे थे, जो दोपहर 1 बजे तक चला।

कर्मचारियों से बदसलूकी, विरोध करने पर हमला: आरोपियों ने कर्मचारियों को अपने साथ चलने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने सुबह जल्दी काम होने का हवाला देकर मना कर दिया। इस पर आरोपियों ने उनसे अभद्रता शुरू कर दी। विजय ने इसका विरोध किया। उसने आसिफ को 'बेटा' कहकर समझाने की कोशिश की। इसी बात पर विवाद बढ़ गया।

पुलिस के अनुसार, गुस्साए आसिफ ने चाकू निकालकर विजय के पेट में घोंप दिया। उसके साथियों ने भी मारपीट की। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से फरार हो गए। घायल विजय को कर्मचारी और स्थानीय लोग फौरन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

मंत्री सारंग बोले- सख्त कार्रवाई की जाएगी: मंगलवार रात मंत्री विश्वास सारंग मृतक विजय के घर पहुंचे थे और परिजनों को ढांढस बांधा था। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही वीभत्स घटना हुई है। मैं स्वयं पीड़ित परिवार से मिला था। विजय बहुत ही होनहार युवा थे। एक गलत घटना को अंजाम दिया गया है।

हत्यारे को फांसी की सजा मिलना चाहिए। बिना बात बिना किसी कारण के एक होनहार युवा की हत्या की गई, जो सहन नहीं किया जाएगा। मंत्री सारंग ने कहा कि हमने भी पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए है कि सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।दोषियों के अवैध निर्माणों पर बुलडोजर चलेगा। कानून को हाथ में लेने वाला व्यक्ति ठीक से रह नहीं सकता। मृतक विजय की दोनों बेटियों की पढ़ाई की जिम्मेदारी हमने ली है। उनकी पत्नी के रोजगार की व्यवस्था भी करेंगे।

मप्र में नया शैक्षणिक सत्र शुरू: 'स्कूल चलें हम' अभियान में होंगी विभिन्न गतिविधियां

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में आज (एक अप्रैल) से नवीन शिक्षण सत्र वर्ष 2026-27 शुरू हो रहा है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा इसे 'स्कूल चलें हम' अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। यह 4 अप्रैल तक चलेगा। अभियान में प्रदेश में 1 से 4 अप्रैल तक प्रतिदिन स्कूलों में कार्यक्रम होंगे। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार, 'स्कूल चलें हम' अभियान के दौरान प्रदेश के सरकारी स्कूलों में विद्यार्थियों के नामांकन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। प्रदेश में करीब 92 हजार सरकारी स्कूल हैं। इनमें प्रायमरी, मिडिल, हाई और हायर सैकेण्डरी स्कूल हैं। इन स्कूलों में लगभग 85 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं।

राज्य स्तरीय आयोजन: 'स्कूल चलें हम' अभियान का राज्य स्तरीय कार्यक्रम भोपाल के टीटी नगर स्थित मॉडल उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में होगा। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव विद्यार्थियों को निःशुल्क साइकिल का वितरण भी करेंगे।

जिला-शाला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम: प्रदेश में जिले के प्रभारी मंत्री जिला स्तरीय प्रवेशोत्सव कार्यक्रम में शामिल होंगे। यह कार्यक्रम चयनित स्कूलों में होगा। कार्यक्रम में सांसद, विधायक एवं अन्य जन-प्रतिनिधि शामिल होंगे। उपस्थित छात्र-छात्राओं को निःशुल्क पाठ्य-पुस्तकें वितरित की जायेंगी। स्कूल शिक्षा विभाग ने ऐसी व्यवस्था की है कि नये शैक्षणिक सत्र की शुरुआत में विद्यार्थियों को पाठ्य-पुस्तकें मिल जाएं। ग्राम और बसाहट के शाला से बाहर रहे चिन्हित बच्चों का शाला में नामांकन कराया जाएगा। बच्चों के अभिभावकों का शाला स्तर पर स्वागत किया जाएगा। कक्षा 1 से 8 तक सभी शालाओं में एक अप्रैल को बालसभा का आयोजन किया जाएगा। इस दिन शालाओं में विशेष भोजन की व्यवस्था भी की गई है।

भविष्य से भेंट कार्यक्रम: 'स्कूल चलें हम' अभियान के दूसरे दिन शालाओं में 'भविष्य से भेंट'' कार्यक्रम होगा। इस कार्यक्रम में समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रसिद्ध, प्रबुद्ध और सम्मानित व्यक्तियों को एक प्रेरक की भूमिका में विद्यार्थियों से भेंट के लिये आमंत्रित किया जाएगा। इसी दिन स्थानीय स्तर पर विशिष्ट उपलब्धियां हासिल करने वाले खिलाड़ी, साहित्यकार, कलाकार, मीडिया, संचार मित्रों, पुलिस अधिकारी, राज्य शासन के अधिकारी को विशेष रूप से आमंत्रित किया जायेगा। आमंत्रित अतिथि उपस्थित बच्चों को पढ़ाई के महत्व और प्रेरणादायी कहानियां सुनाएंगे। इस दौरान सामाजिक संस्था एवं आमंत्रित व्यक्ति स्वेच्छा से विद्यार्थियों को शाला उपयोगी वस्तुएं भेंट कर सकेंगे। जिला कलेक्टर को जिले के प्रथम एवं द्वितीय श्रेणी के अधिकारियों को किसी एक शाला में जाकर एक कालखण्ड में बच्चों संवाद करने के भी निर्देश दिये गये।

कनाडा में मर्डर के 21 दिन बाद उज्जैन पहुंचेगा शव

मीडिया ऑडीटर, उज्जैन (निप्र)। उज्जैन निवासी सिख युवक गुरकीरत सिंह मनोचा का पार्थिव शरीर 21 दिन बाद भारत लाया जा रहा है। 14 मार्च को कनाडा में हुई हत्या के बाद अब 2 अप्रैल को शव अहमदाबाद और 3 अप्रैल को उज्जैन पहुंचेगा, जहां अंतिम संस्कार किया जाएगा। मनोचा के पार्थिव शरीर को भारत लाने की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। शव वैंकूवर से दिल्ली होते हुए 2 अप्रैल की रात करीब 9 बजे अहमदाबाद एयरपोर्ट पहुंचेगा, जहां कस्टम और दस्तावेजी कार्रवाई के बाद परिजनों को सौंपा जाएगा।

3 अप्रैल को उज्जैन में अंतिम दर्शन, निकलेगी शव यात्रा: अहमदाबाद से एम्बुलेंस के जरिए 3 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे पार्थिव शरीर को पार्श्वनाथ सिटी, देवास रोड स्थित निवास लाया जाएगा। यहां अंतिम दर्शन और अरदास के बाद शव यात्रा निकाली जाएगी।

इन मार्गों से निकलेगी अंतिम यात्रा: शव यात्रा पार्श्वनाथ सिटी से देवास रोड, संजीवनी हॉस्पिटल चौराहा, फ्रीगंज स्थित सुख सागर गुरुद्वारा साहिब, टावर चौक, चामुंडा माता मंदिर, आगर रोड, मंगलनाथ मार्ग, पीपलीनाका होते हुए चक्रतीर्थ श्मशान घाट पहुंचेगी, जहां अंतिम संस्कार होगा। रास्ते में विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा श्रद्धांजलि दी जाएगी। सरकार और प्रशासन के सहयोग से संभव हुआ।

कोर्ट ने कहा- जन्म से तय होती है जाति, शादी से नहीं बदलेगी; उप्र की महिला की याचिका खारिज

मीडिया ऑडीटर, ग्वालियर (निप्र)। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने अहम फैसले में साफ कर दिया है कि दूसरे राज्य से जारी ओबीसी (अन्य पिछड़ा वर्ग) प्रमाण पत्र के आधार पर मध्य प्रदेश में आरक्षण का लाभ नहीं लिया जा सकता। कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि विवाह के आधार पर महिला को पति की जाति का आरक्षण लाभ नहीं मिलेगा। मामला अर्चना दांगी का है, जो मूल रूप से जालौन (उत्तर प्रदेश) की निवासी हैं। उन्होंने उच्च माध्यमिक शिक्षक पात्रता परीक्षा-2018 पास की थी, लेकिन दस्तावेज सत्यापन के दौरान उनका चयन इस आधार पर निरस्त कर दिया गया कि उनका ओबीसी प्रमाण पत्र उत्तर प्रदेश का था।याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि दांगी जाति उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश दोनों में ओबीसी श्रेणी में शामिल है। साथ ही, विवाह के बाद वे मध्य प्रदेश की निवासी हो गई हैं, इसलिए उन्हें यहां आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए।

कोर्ट बोला- जाति जन्म से तय, निवास या शादी से नहीं: राज्य शासन की ओर से कोर्ट में दलील दी गई कि जाति का निर्धारण जन्म से होता है, न कि विवाह या निवास बदलने से। साथ ही, दूसरे राज्य से जारी जाति प्रमाण पत्र मध्य प्रदेश में मान्य नहीं होता। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मुद्दा पहले ही सुप्रीम कोर्ट और अन्य न्यायालयों द्वारा स्पष्ट किया जा चुका है। कोर्ट ने दोहराया कि कोई भी व्यक्ति दूसरे राज्य में जाकर अपनी जाति का आरक्षण लाभ साथ नहीं ले जा सकता, भले ही जाति दोनों राज्यों में सूचीबद्ध हो। शादी के बाद सामाजिक पहचान बदल सकती है, आरक्षण नहीं न्यायालय ने स्पष्ट किया कि विवाह के बाद महिला पति की जाति का सामाजिक हिस्सा बन सकती है, लेकिन आरक्षण का लाभ नहीं ले सकती, क्योंकि आरक्षण सामाजिक और शैक्षणिक पिछड़ेपन पर आधारित होता है, जो जन्म से तय होता है। इन्हीं आधारों पर हाईकोर्ट ने याचिका खारिज करते हुए संबंधित अधिकारियों के फैसले को सही और विधिसम्मत बताया।

रायसेन में 50एकड़ गेहूं की फसल में लगी आग

फायर ब्रिगेड का पानी हुआ खत्म, 25 से ज्यादा ट्रैक्टर चलाए, 11 किसानों के खेत जले

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन में बुधवार दोपहर गेहूं की खड़ी फसल में भीषण आग लग गई। आग में करीब 50 एकड़ में लगी फसल जलकर राख हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि किसानों को संभलने का मौका नहीं मिला। आग की लपटों को आगे बढ़ने से रोकने के लिए किसानों ने अपनी जान जोखिम में डालकर ट्रैक्टर और पेड़ों की टहनियों का उपयोग कर आग बुझाने का प्रयास किया।

फायर ब्रिगेड का पानी खत्म हुआ: घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन के अधिकारी सहित सांची नगर पालिका की दमकल टीमें मौके पर पहुंची लगातार आग बुझाने में जुटी रहीं। इसी बीच फायर ब्रिगेड का पानी भी खत्म हो गया। अभी आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट और नरवाई से आग लगा बताया जा रहा है हालांकि किसानों ने बिजली कंपनी पर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

इन किसानों के खेतों की फसल जली: इस भीषण आग में दीवान सिंह, अवतार सिंह, बदन सिंह, सुरेंद्र पटेल, रामबाबू पटेल, बहादुर सिंह, संदीप ठाकुर, अतर ठाकुर, गोलू ठाकुर, संजू ठाकुर और ओंकार सिंह की फसलें जलकर खाक हो गई। कटाई से ठीक पहले हुई इस घटना से किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। महीनों की मेहनत कुछ ही मिनटों में राख में बदल गई, जिससे उनके सामने अब आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। प्रशासन नुकसान का आकलन कर रहा है।

डिजिटल कार्यप्रणाली से पारदर्शिता, त्वरित निर्णय एवं जवाबदेही होगी और अधिक सुदृढ़: डीजीपी

पुलिस मुख्यालय में e-Office प्रणाली के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। पुलिस विभाग में e-Office प्रणाली के प्रभावी एवं अनिवार्य उपयोग को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज 01 अप्रैल को पुलिस मुख्यालय भोपाल में ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया गया। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य पुलिस विभाग के समस्त कार्यालयों में डिजिटल कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करते हुए कार्यों में पारदर्शिता, त्वरित निर्णय क्षमता एवं जवाबदेही को बढ़ाना है। प्रशिक्षण सत्र में प्रदेश के पुलिस आयुक्त इंदौर/भोपाल, समस्त पुलिस अधीक्षक, रेल पुलिस अधीक्षक (भोपाल, इंदौर, जबलपुर), प्रशिक्षण शालाओं के पुलिस अधीक्षक एवं समस्त सेनानी ऑनलाईन उपस्थित थे। साथ ही पुलिस मुख्यालय से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद, पुलिस महानिरीक्षक हरिनारायणचारी मिश्र, सहायक पुलिस महानिरीक्षक दीपक ठाकुर, ऋचा चौबे, एनआईसी से धर्मेंद्र जैन, सौरभ, देवेंद्र तिवारी सहित अन्य पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि e-Office प्रणाली के माध्यम से कार्यों में पारदर्शिता एवं गति आएगी, जिससे पुलिस कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी होगी। उन्होंने सभी इकाइयों को निर्देशित किया कि e-Office का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने हाल ही में सम्पन्न नवरात्रि पर्व की व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए आगामी हनुमान जयंती के अवसर पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए। डीजीपी ने कहा कि सभी अधिकारी स्वयं मौके पर जाकर प्रमुख भीड़भाड़ वाले स्थलों, विशेषकर धार्मिक स्थलों का निरीक्षण करें तथा आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। भीड़ प्रबंधन के दौरान एंट्री एवं एग्जिट मार्ग पृथक रखने, क्रॉस मूवमेंट रोकने, सीसीटीवी मॉनिटरिंग, मजबूत बैरिकेडिंग एवं सेक्टर आधारित व्यवस्था लागू करने के निर्देश दिए। वीआईपी मूवमेंट के दौरान आमजन की आवाजाही बाधित न हो, इस पर विशेष ध्यान देने को कहा। पूर्व में घटित घटनाओं से सीख लेते हुए अधिकारियों को सतर्क एवं सक्रिय रहने के निर्देश भी दिए।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक एससीआरबी जयदीप प्रसाद ने e-Office की उपयोगिता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पुलिस मुख्यालय स्तर पर इसका 100 प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया जा चुका है तथा इसे चरणबद्ध तरीके से प्रदेश के सभी कार्यालयों में लागू किया जा रहा है। उन्होंने डिजिटल कार्यप्रणाली को भविष्य की आवश्यकता बताते हुए सभी अधिकारियों से इसे प्राथमिकता के साथ अपनाने का आह्वान किया।

एनआईसी से उपस्थित प्रशिक्षक अधिकारियों द्वारा e-Office प्रणाली के विभिन्न मॉड्यूल्स, फाइल प्रबंधन, नोटशीट, पत्राचार एवं अनुमोदन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी दी गई तथा अधिकारियों के प्रश्नों के समाधान भी किए गए। बैठक में ई-विवेचना ऐप के संबंध में भी जानकारी दी गई। समस्त पुलिस इकाइयों में पदस्थ विवेचकों को वितरित किए जा रहे ई-विवेचना टैबलेट के माध्यम से संपूर्ण अनुसंधान कार्य किए जाने तथा उनका प्रशिक्षण शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

एमपी पुलिस की वाहन चोरों पर प्रभावी कार्यवाही, विगत एक माह में 109 चोरी किए गए दोपहिया वाहन बरामद

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा प्रदेश में वाहन चोरी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने हेतु लगातार सख्त एवं सुनियोजित कार्यवाहियां की जा रही हैं। इसी क्रम में विगत एक माह में प्रदेश के विभिन्न जिलों में पुलिस द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए वाहन चोरों के गिरोहों का पर्दाफाश करते हुए 109 चोरी किए गए दोपहिया वाहन बरामद किए हैं।

जबलपुर: थाना माढोताल पुलिस ने अंतर्राज्यीय वाहन चोर एवं वाहन काटने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए जबलपुर एवं रायपुर (छत्तीसगढ़) से चोरी किए गए 15 वाहन जप्त किए। इसी प्रकार थाना लाडगंज पुलिस ने 2 शातिर आरोपियों को गिरफ्तार कर 12 वाहन बरामद किए, जबकि थाना पाटन पुलिस द्वारा एक आरोपी को गिरफ्तार कर 7 दोपहिया वाहन जप्त किए गए। इस प्रकार तीनों कार्यवाहियों में पुलिस ने चोरी किए गए 34 दुपहिया वाहन बरामद किए हैं।

राजगढ़: थाना ब्यावरा सिटी पुलिस ने अंतरजिला मोटरसाइकिल चोरी गिरोह का पर्दाफाश कर 2 आरोपियों से 15 मोटरसाइकिलें जप्त कीं। वहीं थाना सुठालिया पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 10 चोरी की गई मोटरसाइकिलें बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इस प्रकार दोनों कार्यवाहियों में पुलिस ने चोरी किए गए कुल 25 वाहन बरामद किए हैं।

रतलाम: रतलाम पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश करते हुए 09 मोटरसाइकिलें बरामद कीं। इस कार्रवाई में 1 मुख्य आरोपी एवं 3 बाल अपचारियों को पकड़ा। वहीं थाना स्टेशन रोड पुलिस ने भी 4 मोटरसाइकिलें बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इस प्रकार कुल 13 मोटरसाइकिलें बरामद की गई।

फ़ीडे कैंडिडेट - प्रज्ञानन्दा को हराकर सिंदारोव नें करूआना के साथ बनाई सयुंक्त बढ़त

साइप्रस, एजेंसी। फ़ीडे कैंडिडेट शतरंज में भारत के आर प्रज्ञानन्दा के अभियान को तीसरे राउंड में जोरदार झटका लगा है जब उज़्बकेकिस्तान के विश्व कप विजेता जावोखीर सिंदारोव नें उन्हें एक बेहद कड़े मुक़ाबले में एक मोहरा क़ुर्बान करते हुए समय के दबाव में डालकर 40 चालों में पराजित कर दिया वहीं यूएसए के फैबियानो करूआना नें कैंडिडेट के इतिहास के सबसे कम चालों में से एक जीत दर्ज की उन्होंने मात्र 19 चालों में चीन के वे यी को पराजित कर दिया और अब सिंदारोव और कारुआना तीन राउंड के बाद दो जीत और एक ड्रा के साथ 2.5 अंक बनाकर सयुंक्त बढ़त पर आ गए है । अन्य बाज़ियों में यूएसए

के हिकारू नकामुरा नें नीदरलैंड के अनीश गिरी से और रूस के आंद्रे एसिपेंको नें जर्मनी के मैथियास ब्लूबम से ड्रा खेला । भारत के प्रज्ञानन्दा आज की हार के बाद 1.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर सरक गए है । महिला वर्ग में भी समाचार लिखे जाने तक विश्व कप विजेता दिव्या देशमुख रूस की गोर्याचकिना से हार की कगार पर चल रही है जबकि वैशाली नें यूक्रेन की अन्ना मुज़्यचुक से ड्रा खेला वहीं कज़ाक्सितान की बिबीसारा आसुबयेवा नें चीन की ज़ू जीनर को पराजित करते हुए रूस की लग्नों कैटरिना के साथ सयुंक्त बढ़त बना ली है , लग्नों नें आज चीन की तान झोंगायी को पराजित किया।

मई-जून में बांग्लादेश और नीदरलैंड के खिलाफ ट्राई सीरीज खेलेगी स्कॉटलैंड की महिला टीम

एडिनबर्ग, एजेंसी। स्कॉटलैंड की महिला क्रिकेट टीम आईसीसी विमेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 से पहले बांग्लादेश और नीदरलैंड्स के खिलाफ टी20 ट्राई-सीरीज खेलेंगी। ये सीरीज द ग्रेंज क्लब में मई से जून के बीच आयोजित होगी। द ग्रेंज क्लब में होने वाली यह ट्राई-सीरीज 28 मई को शुरू होगी, जिसमें स्कॉटलैंड का मुकाबला नीदरलैंड्स से होगा। इसके बाद 30 मई को स्कॉटलैंड बांग्लादेश का सामना करेगा। 31 मई को बांग्लादेश का मुकाबला नीदरलैंड्स से होगा। यह सिलसिला 2 जून को भी जारी रहेगा, जब स्कॉटलैंड एक बार फिर बांग्लादेश के खिलाफ खेलेगा, उसके बाद 3 जून को स्कॉटलैंड का मुकाबला नीदरलैंड्स से होगा। इस सीरीज का आखिरी मैच 4 जून को होगा, जिसमें नीदरलैंड्स का मुकाबला बांग्लादेश से होगा। इसी के साथ स्कॉटलैंड की महिला टीम सितंबर 2022 के बाद पहला घरेलू मुकाबला खेलेगी। तब से, टीम ने लगातार प्रगति दिखाई है। इस टीम ने लगातार दो विमेंस टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई करने के साथ वनडे और टी20 फॉर्मेट में वेस्टइंडीज, जिम्बाब्वे और आयरलैंड जैसी पूर्ण-सदस्य टीमों के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की है।

इस सीरीज के बाद, स्कॉटलैंड दो और वार्म-अप मैच खेलने के लिए इंग्लैंड जाएगी। इसके बाद, 13 जून को ओल्ड ट्रैफर्ड में आयरलैंड के खिलाफ मुकाबले के साथ अपना टी20 वर्ल्ड कप अभियान शुरू करेगी।

कप्तान कैथरीन ब्राइस को एडिनबर्ग में घरेलू फैंस के सामने खेलने का बेसब्री से इंतजार है। स्कॉटलैंड क्रिकेट की ओर से जारी एक बयान में उन्होंने कहा, मैं अपने गृहनगर एडिनबर्ग में खेलने के इस मौके को लेकर बहुत उत्साहित हूं। पिछली बार हमने वहां 2022 में खेला था, जो अब बहुत पुरानी बात लगती है। उस समय मुझे कोविड-19 हो गया था, इसलिए मैं वह सीरीज नहीं खेल पाई थी। ऐसा मेरे करियर में पहली बार होगा जब मैं एडिनबर्ग में स्कॉटलैंड के लिए खेलूंगी, इसलिए यह बहुत रोमांचक है।

उन्होंने कहा, आने वाले कुछ महीने बहुत अहम होने वाले हैं, क्योंकि इसके ठीक बाद हम इंग्लैंड में टी20 वर्ल्ड कप खेलने जा रहे हैं। इस बड़े मौके को लेकर जो उत्साह और जोश है, उसे देखते हुए उम्मीद है कि हमें देखने के लिए बहुत सारे समर्थक स्टेडियम में आएंगे। बांग्लादेश और नीदरलैंड्स दोनों ही बेहतरीन टीमें हैं, इसलिए ये मैच हमारे लिए मुख्य टूर्नामेंट से पहले तैयारियों का एक शानदार मौका होंगे। मैं स्कॉटलैंड में यहां थिसल (स्कॉटलैंड का राष्ट्रीय प्रतीक) पहनकर घरेलू दर्शकों के सामने मैदान पर उतरने का बेसब्री से इंतजार कर रही हूं।

150 की रफ्तार से गेंद फेंकने वाले अशोक शर्मा का आईपीएल डेब्यू

कभी नहीं भूलेंगे बड़े भाई का त्याग

चंडीगढ़, एजेंसी। तेज गेंदबाज अशोक शर्मा को गुजरात टाइटंस ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के चौथे मुकाबले में पंजाब किंग्स के खिलाफ प्लेइंग इलेवन में शामिल किया है। मंगलवार को मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मैच के साथ अशोक अपना आईपीएल डेब्यू कर रहे हैं। रफ्तार सिंह के नाम से मशहूर अशोक 140-150 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में अपनी तेज रफ्तार गेंदबाजी से विपक्षी टीम को काफी परेशान किया था। 17 जून 2002 को जन्मे अशोक जयपुर के पास स्थित रामपुरा गांव के रहने वाले हैं। उनके पिता नाथूलाल किसान हैं, जबकि मां गृहणी हैं। मां का सपना था कि बेटा सरकारी नौकरी करे। अशोक के बड़े भाई अक्षय भी क्रिकेट खेला करते थे। ऐसे में पिता नहीं चाहते थे कि दोनों बेटे क्रिकेट खेलें। वह चाहते थे कि अशोक पढ़ाई पर ध्यान दें, लेकिन बड़े भाई ने अशोक की काबिलियत पहचान ली थी। उन्होंने अशोक के लिए क्रिकेट को त्याग दिया, ताकि छोटे भाई को अपना सपना पूरा करने का मौका मिल सके। क्रिकेट के प्रति अशोक के जुनून को देखते हुए पिता ने जयपुर स्थित अरावली क्रिकेट एकेडमी में बेटे का एडमिशन करवा दिया, जो दिल्ली डेयरडेविल्स और राजस्थान के पूर्व लेग स्पिनर विवेक यादव की एकेडमी है। अशोक को एकेडमी पहुंचने के लिए रोजाना काफी लंबा सफर करना पड़ता था, जिसके बाद वह एकेडमी के हॉस्टल में ही रहने लगे। कोरोना महामारी के बीच अशोक के कोच विवेक यादव का निधन हो गया, जिससे अशोक को बड़ा झटका लगा, लेकिन उन्होंने खुद को इस सदमे से निकाला और घरेलू

क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करते हुए आईपील में जगह बनाई। दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने राजस्थान रॉयल्स के लिए नेट बॉलर के तौर पर काम किया। इसके बाद अशोक शर्मा को आईपीएल 2022 में कोलकाता नाइट राइडर्स ने 55 लाख रुपए में खरीदा था, लेकिन उन्हें एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिल सका। इसके बाद गुजरात टाइटंस ने इस खिलाड़ी पर 90 लाख रुपए का दांव खेला। अशोक फर्स्ट क्लास करियर में 4 मैच खेले हैं, जिसमें 29.71 की औसत के साथ 14 विकेट हासिल किए। वहीं, 7 लिस्ट-ए मुकाबलों में उनके नाम 13 विकेट हैं। अशोक ने अपने टी20 करियर में 10 मैच खेले हैं, जिसमें 15.63 की औसत के साथ 22 विकेट निकाले।

4 बल्लेबाज, जिन्होंने एक ही आईपीएल सीजन में 800 से ज्यादा रन कूटे

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खिलाड़ियों ने कई रिकॉर्ड्स बनाए और तोड़े हैं। इस दौरान बल्लेबाजों ने जमकर चौके और छक्कों की बरसात करते हुए फैंस का खूब मनोरंजन किया। आइए, आईपीएल इतिहास के उन 4 खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं, जिन्होंने एक ही सीजन में 800 से ज्यादा रन कूटे। विराट कोहली- इस बल्लेबाज ने अब तक सभी 18 सीजन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की ओर से खेले हैं। कोहली ने आईपीएल 2016 में 16 मैच खेलते हुए 81.08 की औसत के साथ कुल 973 रन बनाए थे। इस दौरान उन्होंने 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाए। कोहली एक आईपीएल सीजन में सर्वाधिक शतक लगाने वाले बल्लेबाजों की सूची में संयुक्त रूप से नंबर-1 हैं। उन्होंने आईपीएल 2016 में 38 छक्के और 83 चौके लगाए थे। विराट कोहली आईपीएल इतिहास में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। कोहली ने साल 2008 से अब तक कुल 268 आईपीएल मैच खेले, जिसमें 39.86 की औसत से 8,730 रन बनाए। कोहली सर्वाधिक 8 आईपीएल शतक लगाने वाले खिलाड़ी भी हैं। इस लीग में उनके बल्ले से कुल 296 छक्के और 776 चौके निकले हैं।

शुभमन गिल: गुजरात टाइटंस की ओर से खेलते हुए गिल ने आईपीएल 2023 में 17 मैच खेले, जिसमें 59.33 की औसत के साथ 890 रन बनाए। इस दौरान गिल ने 3 बार शतकीय पारियां खेलीं। गिल ने उस सीजन 33 छक्के और 85 चौके लगाए थे।

जोस बटलर: आईपीएल 2022 में राजस्थान रॉयल्स की तरफ से 17 मैच खेलते हुए बटलर ने 57.53 की औसत के साथ कुल 863 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 4 शतक और इतने ही अर्धशतक निकले। इस सीजन बटलर के बल्ले से 45 छक्के और 83 चौके निकले।

डेविड वॉर्नर: सनराइजर्स हैदराबाद की तरफ से खेलते हुए वॉर्नर ने आईपीएल 2016 में 60.57 की औसत के साथ 848 रन बनाए थे। इस दौरान उनके बल्ले से 9 अर्धशतक निकले। आईपीएल 2016 में वॉर्नर ने 31 छक्के और 88 चौके लगाए थे।

आईपीएल: एक ही ओवर में 11 बॉल फेंक गए अर्शदीप, 5 अन्य गेंदबाज भी कर चुके ऐसा

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब किंग्स के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह का नाम अनचाही फेहरिस्त में जुड़ गया है। बाएं हाथ के 27 वर्षीय गेंदबाज ने मंगलवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 के चौथे मुकाबले में एक ही ओवर के दौरान 11 गेंदें फेंकीं। यह आईपीएल इतिहास में गेंदों के हिसाब से संयुक्त रूप से सबसे लंबा ओवर है। अर्शदीप से पहले 5 अन्य गेंदबाज ऐसा कर चुके थे। मुल्लांपुर के महाराजा यादवेंद्र सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में जारी इस मुकाबले में अर्शदीप सिंह ने गुजरात टाइटंस की पारी के 20वें ओवर में कुल 11 बॉल फेंकी। टाइटंस 19 ओवरों के खेल तक 6 विकेट खोकर 150 रन बना चुकी थी। इसके बाद गेंद अर्शदीप को सौंपी गई, जिन्होंने नए ओवर की पहली ही गेंद वाइड फेंकी। अगली दो लीगल डिलीवरी पर राहुल तेवतिया कोई रन नहीं बना सके। ओवर की तीसरी गेंद पर तेवतिया ने चौका लगाया। अर्शदीप ने इसके बाद एक नो-बॉल और दो वाइड फेंकी। ओवर की चौथी लीगल डिलीवरी डॉट रही। पांचवीं गेंद पर तेवतिया ने सिंगल चुराया, लेकिन अगली ही गेंद अर्शदीप ने वाइड फेंक दी। आखिरकार, 134.1 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से राशिद खान को फेंकी गेंद इस ओवर की अंतिम डिलीवरी साबित हुई। अर्शदीप से पहले मोहम्मद सिराज (साल 2023), तुषार देशपांडे (साल 2023), शार्दुल ठाकुर (साल 2025), संदीप शर्मा (साल 2025) और हार्दिक पंड्या (साल 2025) एक ही ओवर में 11 गेंदें फेंक चुके थे।

आईपीएल में एक ही टीम के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले 5 खिलाड़ी

विराट कोहली शीर्ष पर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग की शुरुआत 2008 में हुई थी। मौजूदा समय में 19वां सीजन (आईपीएल 2026) खेला जा रहा है। पिछले 18 सीजन में ऐसे कई खिलाड़ी रहे हैं जो कई टीमों के लिए खेल चुके हैं, लेकिन हम आपको ऐसे 5 खिलाड़ियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो आईपीएल में ज्यादातर सीजन या फिर पूरे आईपीएल करियर में सिर्फ 1 ही टीम के लिए खेले हैं। विराट कोहली- विराट कोहली 2008 से ही आरसीबी का हिस्सा हैं। आईपीएल में किसी भी एक टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने का रिकॉर्ड कोहली के नाम है। 2026 में एसआरएच के खिलाफ खेले गए उद्घाटन मुकाबले तक कोहली आरसीबी के लिए कुल 268 मैच खेल चुके हैं। एमएस धोनी- सीएसके के साथ एमएस धोनी 2008 से जुड़े हैं और 5 बार अपनी कप्तानी में टीम को चैंपियन बना चुके हैं। 2016 और 2017 में सीएसके प्रतिबंधित थी। इस वजह से धोनी राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स की तरफ से खेले थे। इसके अलावा पिछले 18 सीजन में 16 सीजन धोनी सीएसके की तरफ से खेले हैं। आईपीएल 2025 तक धोनी ने सीएसके के लिए कुल 248 मैच खेले हैं और एक टीम के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में दूसरे स्थान पर हैं।

रोहित शर्मा: 2008 से 2010 तक डेक्कन चार्जेस का हिस्सा रहे रोहित शर्मा 2011 से मुंबई इंडियंस का हिस्सा रहे हैं। रोहित आईपीएल 2026 में केकेआर के खिलाफ हुए मैच तक 228 मैच खेल चुके हैं। वह एक टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं।

सुनील नरेन: ऑफ स्पिनर सुनील नरेन 2012 से कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से जुड़े हुए हैं। आईपीएल 2026 में एमआई के खिलाफ हुए मैच तक नरेन केकेआर के लिए 190 मैच खेल चुके हैं।

किरोन पोलार्ड: पोलार्ड ने 2010 से 2022 तक मुंबई इंडियंस (एमआई) के लिए 189 मैच खेले हैं। वह एक टीम के लिए सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले खिलाड़ियों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं। पोलार्ड अब आईपीएल से संन्यास ले चुके हैं और एमआई के बल्लेबाजी कोच हैं।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर लगा 12 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2026 में गुजरात टाइटंस के खिलाफ मंगलवार को अपना पहला मैच खेलने वाली पंजाब किंग्स के कप्तान श्रेयस अय्यर पर जुर्माना लगाया गया है। मैच के दौरान गंभीर चोट का सामना करने वाले श्रेयस पर धीमे ओवर रेट की वजह से जुर्माना लगाया गया है। श्रेयस अय्यर पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। आईपीएल द्वारा जारी बयान में कहा गया, ÷यह आईपीएल के कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.22 के तहत उनकी टीम का इस सीजन का पहला उल्लंघन था, जो न्यूनतम ओवर-रेट अपराधों से संबंधित है। इसलिए कप्तान पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

मैच के दौरान श्रेयस अय्यर को गंभीर चोट का भी सामना करना पड़ा। नॉन स्ट्राइक पर खड़े श्रेयस अय्यर के दाएं हाथ की कलाई में कूपर कोनोली का एक तेज शॉट आकर लगा। चोट की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि अय्यर तुरंत क्रीज पर ही लेट गए। मेडिकल टीम के उपचार के बाद वह बल्लेबाजी के लिए तैयार हुए लेकिन जल्द ही अपना विकेट गंवा बैठे।

मैच की बात करें तो, पंजाब किंग्स ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करते हुए गुजरात टाइटंस (जीटी) को 20 ओवर में 6 विकेट पर 162 रन पर रोक दिया था। जीटी की तरफ से कप्तान शुभमन गिल ने 27 गेंदों पर 39 और जोस बटलर ने 33 गेंदों पर 38 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने 17 गेंदों पर 25 रन की पारी खेली।

पंजाब के लिए विजय कुमार वैशाक ने 3, युजवेंद्र चहल ने 2 और मार्को जानसेन ने 1 विकेट लिए।

पंजाब ने 19.1 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 165 रन बनाकर मैच 3 विकेट से जीता। पंजाब के लिए कूपर कोनोली ने नाबाद 72 रनों की पारी खेली और प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

जीटी के लिए प्रसिद्ध कृष्णा ने 4 ओवर में 29 रन देकर 3 विकेट लिए। रबाडा, अशोर शर्मा, राशिद खान और वाशिंगटन सुंदर को 1-1 विकेट मिला।

बोस्निया से हारकर इटली फीफा विश्व कप 2026 से बाहर, लगातार तीसरी बार चूकी मौका

बर्लिन, एजेंसी। चार बार की चैंपियन इटली फीफा विश्व कप 2026 से बाहर हो गई है। पेनल्टी से तय हुए एक रोमांचक प्लेऑफ में बोस्निया और हर्जेगोविना से हारने के बाद इटली को लगातार तीसरी बार बार फीफा विश्व कप से बाहर होना पड़ा। जेनिका में हुआ यह मैच अतिरिक्त समय के बाद 1-1 से बराबर रहा, जिसके बाद बोस्निया ने शूटआउट में 4-1 से जीत हासिल की। इस जीत के साथ बोस्निया ने 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में जगह बनाई। इटली के डिफेंडर लियोनार्डो स्पिनाजोला ने कहा, हमें अभी भी यकीन नहीं हो रहा है। यह सभी के लिए दुखद है।

हेड कोच जेननारो गुट्टूसो ने मैच के बाद माफी मांगते हुए कहा कि टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। शिन्हुआ की रिपोर्ट के मुताबिक, जेनिका में इटली शुरुआत में ही सही रास्ते पर लग रहा था जब मोइज कीन ने बोस्निया के गोलकीपर निकोला वासिलज की एक बड़ी गलती का फायदा उठाकर मेहमान टीम को 15वें मिनट में बढ़त

दिला दी। हाफटाइम से पहले मैच का रुख तब बदल गया जब इटली के सेंटर-बैक एलेसेंड्रो बास्टोनी को लास्ट-मैन फाउल के लिए बाहर भेज दिया गया, जिससे मेहमान टीम को लंबे समय तक डिफेंसिव लड़ाई लड़नी पड़ी। 10 खिलाड़ियों तक सिमटने के बाद, इटली ने पीछे हटकर बढ़त बचाने की कोशिश की, लेकिन बोस्निया ने दबाव बनाया, और आखिरकार 79वें मिनट में हारिस तबाकोविक ने स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

अतिरिक्त समय में कोई भी टीम जीत नहीं पाई, जिससे मुकाबला पेनल्टी शूटआउट में चला गया जिसमें इटली को हार का सामना करना पड़ा। सैंड्रो टोनाली स्पॉट से गोल करने वाले अकेले इतालवी खिलाड़ी थे। पियो एस्पोसिटो ने ऊपर से शॉट मारा, जबकि ब्रायन क्रिस्टांटे ने बार के नीचे से शॉट मारा और उनका शॉट बाहर चला गया। बोस्निया ने चारों पेनल्टी को गोल में बदला, जिसमें एस्मिर बजरकतारेविक ने निर्णायक किक लगाई।

मंगलवार को दूसरी जगह, चेक रिपब्लिक भी अतिरिक्त समय के बाद डेनमार्क के साथ 2-2 से ड्रॉ के बाद पेनल्टी शूटआउट से आगे बढ़ा। चेक टीम ने शूटआउट में कुल स्कोरिंग में 5-3 से जीत हासिल की और 2026 के फाइनल में अपनी जगह पक्की की।

स्वीडन ने पोलैंड पर 3-2 से जीत के साथ क्वालिफिकेशन पक्का किया। विक्टर ग्योकेरेस के 88वें मिनट में गोल करने से पहले स्वीडन ने दो बार बढ़त गंवाई और अपनी टीम को आगे बढ़ाया। अर्दा अकतुर्कोग्लू के 53वें मिनट में किए गए विजयी गोल की बदौलत तुर्किये ने भी कोसोवो को 1-0 से हराकर वर्ल्ड कप के लिए अपनी टिकट पक्की कर ली।

यूरोपियन प्लेऑफ पूरे होने के साथ, 2026 फीफा विश्व कप में यूईएफए की सभी 16 जगहें अब तय हो गई हैं। यह टूर्नामेंट 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में होगा, जिसमें 48 टीमें हिस्सा लेंगी।

उद्योग मंत्री देवांगन ने तिलक नगर में बाउण्ड्री-वाल निर्माण कार्य का किया भूमिपूजन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के वाणिज्य, उद्योग, श्रम, सार्वजनिक उपक्रम व आबकारी मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि पत्रकारबंधु एक ऐसा दर्पण होते हैं, जो समाज को सच का आईना दिखाने का कार्य करते हैं। उन्होने कहा कि निष्पक्षता एवं पारदर्शिता पत्रकारिता का मूलमंत्र है, समाचार पत्रों में जो छपता है, मीडिया में जो दिखता है, आमजन मानस उसे ही सच मानकर चलता है, अतः यह आवश्यक है कि समाचारों में निष्पक्षता, पारदर्शिता व निर्भीकता होनी ही चाहिये। उन्होने कहा कि प्रेस क्लब कोरबा एक ऊर्जावान संस्था है, जो पत्रकारिता व पत्रकारबंधुओं के हितों की रक्षा के लिये निरंतर कार्य कर रही है। इस आशय के उद्गार आज मंगलवार को उद्योग मंत्री देवांगन ने कोरबा के तिलक भवन स्थित प्रेस क्लब में आयोजित भूमिपूजन-लोकार्पण कार्यक्रम के

दौरान कही। नगर पालिक निगम कोरबा द्वारा वार्ड क्र. 35 खरमोरा डाईट बिल्डिंग तिलक नगर पत्रकार कालोनी के समीप एन.टी.पी.सी. के सीएसआर मद से 15 लाख रूपये की लागत से बाउण्ड्रीवाल का निर्माण कार्य कराया जाना हैं, जिसका वर्चुअल भूमिपूजन आज उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य एवं महापौर संजूदेवी राजपूत की अध्यक्षता में तिलक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान उनके हाथों किया गया। इसी प्रकार वार्ड क्र. 24 तिलक भवन प्रेस क्लब में पार्षद पंकज देवांगन के पार्षद मद से एलईडी प्रोजेक्टर, स्मार्ट टी.व्ही., साउण्ड सिस्टम व स्क्रीन स्थापना आदि का कार्य कराया गया है, जिसका लोकार्पण भी आज उद्योग मंत्री देवांगन के करकमलों से सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर उद्योग मंत्री देवांगन ने दिये गये अपने उद्बोधन में आगे कहा कि मुझे प्रसन्नता है कि जब मैं कोरबा का महापौर था, उस समय प्रेस क्लब का निर्माण किया गया, उस समय भी और आज भी नगर निगम केारबा द्वारा प्रेस क्लब के विकास व अन्य गतिविधियों के लिये लगातार सहयोग दिया जा रहा है, विकास कार्य कराये जा रहे हैं।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन में सरकार ने पुनः इन योजनाओं को प्रारंभ कराया है। उन्होने कहा कि हमारी सरकार देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सबका साथ-सबका विकास की नीति पर कार्य कर रही है तथा समाज के गरीब, निर्धन, मजदूर, किसान, युवा, महिला व हर वर्ग के लिये कल्याणकारी योजनायें संचालित कर उनके जीवन स्तर को ऊपर उठाने का कार्य कर रही है। इस अवसर पर महापौर संजूदेवी राजपूत ने अपने उद्बोधन में कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन कोरबा के सभी 67 वार्डो में विकास कार्य कराये जाने हेतु लगातार धनराशि की व्यवस्था करा रहे हैं, उनके प्रयासों से विगत 02 वर्षो के दौरान विभिन्न मदों के अंतर्गत 1000 करोड़ रूपये के विकास कार्यो व परियोजनाओं की स्वीकृति प्रदान की जा चुकी है। इस अवसर पर प्रेस क्लब के अध्यक्ष राजेन्द्र जायसवाल ने कहा कि उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन अपनी सहजता, सरलता व सज्जनता के लिये जाने जाते हैं, आमजनता के बीच में भी उनकी छबि एक सहज, सरल व सज्जन व्यक्ति के रूप में अंकित है, जहॉ तक कोरबा के विकास का प्रश्न है, उन्होने अपने महापौर कार्यकाल और अब मंत्री कार्यकाल में उम्मीद से आगे बढ़कर कार्य कर रहे हैं।

असाधारण जज़्बे के साथ झारखंड की पहलवान पूनम ने करियर खत्म कर देने वाली चोट से पार पाते हुए 9 साल के खिताबी सूखे को किया समाप्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कुश्ती जैसे खेल में जहां फिटनेस और ताकत सबसे बड़ी जरूरत होती है, वहां चोटिल कंधे के साथ मैट पर उतरना अपने आप में बड़ा जोखिम है। लेकिन झारखंड की 19 वर्षीय पहलवान पूनम ऑरन ने इस जोखिम को चुनौती में बदला और दर्द के बावजूद मुकाबले दर मुकाबले जीत हासिल करते हुए पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया। फाइनल में भी पूनम बाएं कंधे पर पट्टी बांधकर उतरीं। हर मूव के साथ दर्द साफ नजर आ रहा था, लेकिन उन्होंने हिम्मत नहीं हारी और अंत तक लड़ते हुए मुकाबला अपने पक्ष में किया। पूनम ने महिलाओं की 50 किग्रा वर्ग के फाइनल में तेलंगाना की के. गीता को हराकर स्वर्ण पदक जीता।

अपने करियर का पहला स्वर्ण पदक जीतने के बाद पूनम ने साई मीडिया से कहा, 'हार कैसे मान लेती सर? जब नौ साल से हार नहीं मानी, तो अब कैसे मान लेती। मेरी यह चोट बहुत पुरानी है। छह साल पहले मेरा कंधा उतर गया था। बीच में ठीक हुआ, लेकिन फिर ट्रेनिंग के दौरान दोबारा चोट लग गई। इसके बावजूद मैंने वापसी की और अब मैंने यहां पर गोल्ड जीता है।' उन्होंने कहा,''अपने करियर की शुरुआत से ही मैं चोटों से जूझ रही हूँ, लेकिन मैंने कभी हार नहीं मानी। गोल्ड मेडल जीतना किसी सपने के सच होने जैसा लगता है। नौ साल तक गोल्ड न जीत पाने के दर्द के मुकाबले यह चोट कुछ भी नहीं है।'

झारखंड के चतरा जिले के सुइयाबार गांव की रहने वाली पूनम के लिए यह जीत किसी सपने के सच होने जैसी है। साल 2017 में जब उन्होंने कुश्ती की शुरुआत की थी, उसी दौरान एक गंभीर चोट ने उन्हें करीब एक साल तक मैट से दूर कर दिया। वापसी के बाद उन्होंने 2018 और 2019 में स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI) में कांस्य पदक जीते, लेकिन इसके बाद पदक जीतने का इंतजार लंबा चला। पूनम बताती हैं कि इस प्रतियोगिता में उतरने से पहले भी वह पूरी तरह फिट नहीं थीं। उन्होंने कहा, '' घर वाले मना कर रहे थे, लेकिन कोच और सपोर्ट स्टाफ को मुझ पर भरोसा था। उनके सपोर्ट से ही मैं खेल पाई और गोल्ड जीत सकी। छह साल बाद कोई पदक जीतना मेरे लिए बहुत खास है और इसके पीछे मेरी दृढ़ इच्छाशक्ति है।'' वह पिछले करीब एक दशक से रांची के हॉस्टल में रहकर अभ्यास कर रहीं हैं।

ऑरन समुदाय से ताल्लुक रखने वाली पूनम के लिए यह स्वर्ण पदक खास मायने रखता है। वह कहती हैं, '' इसके मुझे काफी लंबा इंतजार करना पड़ा है। करियर की शुरुआत से ही मैं चोट से जूझ रही हूं, लेकिन कभी हार नहीं मानी। इसके बाद कोई स्वर्ण पदक जीतना, मेरे लिए सपने के सच होने जैसा है।''

कुश्ती के साथ-साथ पढ़ाई में भी संतुलन बनाए रखते हुए, पूनम अभी रांची यूनिवर्सिटी से बीए (पॉलिटिकल साइंस) की पढ़ाई भी कर रही है। अब वह जूनियर नेशनल्स के लिए झारखंड टीम में जगह बनाने पर ध्यान दे रही हैं।

पूनम ने कहा,' मेरा अगला लक्ष्य जूनियर नेशनल ट्रायल्स के लिए क्वालीफाई करना है और मैं इस स्वर्णिम सफलता को आगे भी जारी रखना चाहती हूं। '

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 : सरगुजा में कुश्ती स्पर्धा का शानदार समापन

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 अंतर्गत सरगुजा जिला मुख्यालय अम्बिकापुर के गांधी स्टेडियम में पिछले चार दिनों से जारी कुश्ती स्पर्धा का शानदार समापन आज हुआ। पूरे आयोजन के दौरान विभिन्न राज्यों से आए खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिली। खिलाड़ियों ने अपनी कुशल तकनीक एवं रणनीति का प्रदर्शन कर पदक अपने नाम किए। समापन अवसर पर टीम चौंपियनशिप परिणाम घोषित किए। पुरूष वर्ग में हिमाचल प्रदेश राज्य ओवर ऑल चौंपियन रहा, वहीं जम्मू कश्मीर फर्स्ट रनरअप, महाराष्ट्र एवं झारखण्ड सेकंड रनरअप बना। महिला वर्ग में असम राज्य ओवर ऑल चौंपियन रहा, वहीं झारखण्ड फर्स्ट रनरअप, कर्नाटक एवं तेलंगाना सेकंड रनरअप रहे।

आयोजित स्पर्धा में महिला सीनियर 57 किलोग्राम भारवर्ग में तेलंगाना की नागलक्ष्मी ने गोल्ड, कर्नाटक की शालीना सिद्धि ने सिल्वर, कर्नाटक की अमूल्या भीमसेन कुन्दरगी ने कांस्य पदक जीता। महिला सीनियर 68 किलोग्राम भारवर्ग में कर्नाटक के प्रिंसिता पेड्रू फ़र्नान्डिस सिद्दी को गोल्ड, मिजोरम के एलिजाबेथ रोहलुपुल्ल को सिल्वर, गुजरात के चावड़ा लीलाबेन मैयाभाई एवं राजस्थान की बालकेश कुमारी मीना को कांस्य पदक प्राप्त हुआ।

बेलसोंडा रेलवे ओवरब्रिज से बदलेगी रफ्तार

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। महासमुंद जिले में बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में एक अहम पहल के तहत राष्ट्रीय राजमार्ग-353 पर बेलसोंडा में रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण तेजी से जारी है। इसके पूरा होते ही क्षेत्र में यातायात व्यवस्था अधिक सुगम और सुरक्षित जाएगी। लगभग 52.29 करोड़ रुपये की लागत वाली इस परियोजना को 30 जुलाई 2024 को प्रशासकीय स्वीकृति मिली थी। 1.23 किलोमीटर लंबे इस टू-लेन ओवरब्रिज का निर्माण निर्धारित समय-सीमा में तेजी से किया जा रहा है। ओवरब्रिज निर्माण लगभग 50 प्रतिशत काम पूरा हो चुका है। परियोजना के तहत रेलवे क्रॉसिंग पर 72 मीटर स्पान के बो-स्ट्रिंग गर्डर का फेब्रिकेशन और लॉन्चिंग कार्य प्रगति पर है। फाउंडेशन और सब-स्ट्रक्चर का काम पूरा हो चुका है, जबकि आरई वॉल और सुपर-स्ट्रक्चर का निर्माण जारी है। इसे नवंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में इस रेलवे क्रॉसिंग से प्रतिदिन 80 से 100 यात्री और मालगाड़ियां गुजरती हैं, जिससे फाटक पर अक्सर लंबा जाम लगता है। ओवरब्रिज बनने के बाद इस समस्या का स्थायी समाधान मिलेगा और लोगों के समय की बचत होगी। इस परियोजना से महासमुंद में कनेक्टिविटी बेहतर होगी, व्यापार और आवागमन को गति मिलेगी।

दनौट कया-कमतरा सड़क के लिए 18.72 करोड़ मंजूर

उप मुख्यमंत्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद प्रशासकीय स्वीकृति का पत्र जारी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन ने रायगढ़ जिले में दनौट कया-कमतरा मार्ग के उन्नयन के लिए 18 करोड़ 71 लाख 96 हजार रुपए स्वीकृत किए हैं। इस राशि से 13.4 किमी सड़क के उन्नयन के साथ ही 60 मीटर लंबा पुल भी बनाया जाएगा। उप मुख्यमंत्री तथा लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव के अनुमोदन के बाद राज्य शासन ने मंत्रालय से राशि स्वीकृति के संबंध में प्रमुख अभियंता को परिपत्र जारी कर दिया है।

उप मुख्यमंत्री श्री साव ने कार्य में प्रयुक्त की जाने वाली सामग्रियों एवं संपूर्ण कार्य की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश दिए हैं। किसी भी स्तर पर कार्य की गुणवत्ता में कमी पाये जाने पर उत्तरदायित्व का निर्धारण करते हुए नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। लोक निर्माण विभाग ने प्रमुख अभियंता को कार्य की निविदा समय-सीमा में करने, निर्माण कार्य प्राक्कलन व कार्य संपादित करने में मितव्ययिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने निर्माण एजेंसी से अनुबंधित समय-सीमा में काम पूर्ण किया जाना सुनिश्चित कराने को कहा है। कार्य पूर्ण किये जाने के लिए अनावश्यक समय-सीमा वृद्धि नहीं किए जाने के भी निर्देश विभाग ने दिए हैं।

बस्तर में विश्वास की जीत : दण्डकारण्य में 25 माओवादी कैडरों की मुख्यधारा में वापसी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ में 31 मार्च 2026 का दिन वामपंथी उग्रवाद के अंत के ऐतिहासिक और निर्णायक दिन के रूप में दर्ज हो रहा है। दण्डकारण्य क्षेत्र में 'पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन' पहल के अंतर्गत 25 माओवादी कैडरों (12 महिला सहित) ने हिंसा का मार्ग छोड़कर मुख्यधारा में वापसी की है। यह घटना नक्सल आतंक के समापन की दिशा में एक स्पष्ट और ठोस उपलब्धि के रूप में सामने आई है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आज का दिन दण्डकारण्य और पूरे छत्तीसगढ़ के लिए एक ऐतिहासिक मोड़ है, जब वर्षों से चली आ रही हिंसा और भय की विचारधारा ने आत्मसमर्पण किया है। उन्होंने कहा कि यह विश्वास, लोकतंत्र और जनशक्ति की जीत है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले इन 25 माओवादी कैडरों पर कुल ?1.47 करोड़ का इनाम घोषित था। इनका मुख्यधारा में लौटना इस बात का प्रमाण है कि अब भटके हुए लोगों का भरोसा लोकतांत्रिक व्यवस्था और सरकार की पुनर्वास नीति पर मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों की प्रभावी कार्रवाई और सरकार की समन्वित रणनीति के

खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स

ट्राइबल गेम्स के दूसरे दिन एथलीटों ने दिखाया दमखम

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर जिले धरमपुरा जगदलपुर स्थित क्रीड़ा परिसर में आयोजित खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स-2026 के अंतर्गत मंगलवार को एथलेटिक्स की स्पर्धाओं ने दर्शकों में भारी उत्साह भर दिया। जनजातीय युवाओं के कौशल और शारीरिक दक्षता को समर्पित इस आयोजन के दूसरे दिन प्रातः कालीन विभिन्न स्पर्धाओं में रोमांच का माहौल रहा। पुरुष वर्ग की बाधा दौड़ में असम के खिलाड़ी त्रैलोक्य मसरोंग ने अपनी बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए मात्र 15.85 सेकंड में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। स्पर्धा में तेलंगाना के सपावत दत्तू ने 16.65 सेकंड के साथ रजत और त्रिपुरा के हरि मोहन त्रिपुरा ने 16.82 सेकंड का समय निकालकर

कांस्य पदक अपने नाम किया।

इसके अलावा पुरुषों की 100 और 400 मीटर दौड़ में काँटे की टक्कर देखने को मिली। 400 मीटर दौड़ में गुजरात के एथलीट संतोषभाई उत्तमभाई गनवित ने 49.332 सेकंड में दौड़ पूरी कर शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि ओडिशा के नोबल कुमार किसान महज 49.335 सेकंड के मामूली अंतर से पिछड़कर दूसरे स्थान पर रहे, तीसरे स्थान पर कर्नाटक राज्य के रामू रहे। 100 मीटर दौड़ में झारखंड के शिव कुमार सोरेन 10.58 मीटर में स्वर्ण, छत्तीसगढ़ राज्य के तिलक बर्सेल 10.87 के साथ दूसरे (रजत) और ओड़िसा के अतीश किंडो ने 10.91 के साथ तीसरा स्थान हासिल किया ।

दंतेवाड़ा में 5 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण पूना मारगेम से बदली जिंदगी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर अंचल में शांति और विकास की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी से जुड़े 5 माओवादियों ने मंगलवार को समाज की मुख्यधारा में वापसी कर ली। इनमें 4 महिला माओवादी शामिल हैं। सभी पर कुल 9 लाख रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस लाइन कारली में आयोजित आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास कार्यक्रम के दौरान इन कैडरों ने हिंसा का रास्ता छोड़कर सामान्य जीवन अपनाने का संकल्प लिया। यह पहल जिले में संचालित पूना मारगेम - पुनर्वास से पुनर्जीवन अभियान के तहत की गई, जो अब नक्सल प्रभावित

युवाओं के लिए नई उम्मीद बनकर उभर रही है। आत्मसमर्पण करने वालों में पश्चिम बस्तर डिवीजन के एसीएम सोमे कड़ती सहित पार्टी सदस्य लखमा ओयाम, सरिता पोडियाम, जोगी कलमू और मोटी ओयाम शामिल हैं। ये सभी भैरमगढ़ और गंगालूर एरिया कमेटियों से जुड़े हुए थे।

आत्मसमर्पण के बाद कैडरों से मिली अहम सूचनाओं के आधार पर सुरक्षा बलों ने विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई करते हुए बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं।

केआईटीजी 2026:

मिडफील्ड की कमान से लेकर गोलकीपिंग के कमाल तक

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। कप्तान किरण पिस्दा की शानदार दोहरी भूमिका से प्रेरित होकर छत्तीसगढ़ की महिला फुटबॉल टीम ने खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स के पहले संस्करण के फाइनल में जगह बना ली है, जबकि राज्य की महिला हॉकी टीम ने भी कांस्य पदक मुकाबले में पहुंचकर अपनी उम्मीदें बरकरार रखी हैं। भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी किरण ने मंगलवार को स्वामी विवेकानंद कोटा स्टेडियम में अरुणाचल प्रदेश के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए मैच की स्टार रहीं। उनके हरफनमौला खेल की बदौलत छत्तीसगढ़ ने निर्धारित समय के बाद 2-2 की बराबरी रहने पर पेनल्टी शूटआउट में 4-3 से रोमांचक जीत दर्ज की। टूर्नामेंट में अब तक करीब 20 गोल कर चुकीं किरण ने एक बार फिर आक्रामक भूमिका निभाते हुए 18वें मिनट में गोल कर मेजबान टीम को 2-0 की बढ़त दिलाई।

हालांकि अरुणाचल प्रदेश ने 41वें और 86वें मिनट में गोल कर स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया और मैच को शूटआउट में पहुंचा दिया। इसके बाद किरण ने साहसिक फैसला लेते हुए नियमित गोलकीपर योगिता की जगह खुद दस्ताने पहनकर गोलपोस्ट संभालने का निर्णय लिया। उनका यह निर्णय कप्तानी की मिसाल बन गया, जब उन्होंने दो शानदार बचाव किए और खुद एक पेनल्टी भी सफलतापूर्वक गोल में बदली, जिससे टीम को फाइनल का टिकट मिला। अंतिम पेनल्टी के गोल के साथ ही मेजबान टीम ने मैदान पर जश्न मनाना शुरू कर दिया। अपने प्रदर्शन पर किरण ने साई मीडिया से कहा, 'मैं अपनी टीम को हर हाल में फाइनल में पहुंचाना चाहती थी। मुझे गोलकीपर के रूप में अच्छा करने का भरोसा था। मैंने पहले भी अपनी राज्य टीम के लिए यह भूमिका निभाई है। मेरी मेहनत सफल रही और हम फाइनल में हैं। यह हम सभी के लिए गर्व का क्षण है।' अब फाइनल में छत्तीसगढ़ का सामना झारखंड और गुजरात के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। उल्लेखनीय है कि ग्रुप चरण में मेजबान टीम गुजरात को 2-1 से हरा चुकी है, जिसमें किरण ने भी एक गोल किया था।

वहीं, इंटरनेशनल हॉकी स्टेडियम में चल रही प्रतियोगिता में छत्तीसगढ़ की महिला हॉकी टीम 1 अप्रैल को पड़ोसी राज्य मध्य प्रदेश के खिलाफ कांस्य पदक के मुकाबले में उतरेगी।

केआईटीजी 2026 (सातवां दिन राउंडअप) : झारखंड के शिव कुमार और पृथ्वी उरांव सबसे तेज धावक; छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण, डिस्कस थ्रो में रजत जीता

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। झारखंड के शिव कुमार सोरेन और पृथ्वी उरांव ने मंगलवार को जगदलपुर के क्रीड़ा परिसर मैदान में आयोजित किए जा रहे पहले खेलो इंडिया ट्राइबल गेम्स 2026 में क्रमशः पुरुष और महिला वर्ग में सबसे तेज धावक बनने का गौरव हासिल किया। वहीं, मेजबान छत्तीसगढ़ के सिद्धार्थ नागेश ने शॉट पुट में स्वर्ण और डिस्कस थ्रो में रजत पदक जीता, जबकि तिलक बारसेट ने पुरुष 100 मीटर में रजत पदक अपने नाम किया। शिव कुमार और पृथ्वी ने अपनी-अपनी 100 मीटर दौड़ की शुरुआत से अंत तक बढ़त बनाए रखते हुए अपने राज्य के लिए स्वर्ण पदक जीते। शिव कुमार ने 10.58 सेकंड का समय लिया, जबकि बारसेट ने 10.87 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया। ओडिशा के अतिश किंडो (10.91 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता। महिला 100 मीटर फाइनल में 16 वर्षीय पृथ्वी ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12.73 सेकंड में दौड़ पूरी कर स्वर्ण पदक जीता। नागालैंड की रुडुओल्हौनुओ बेल्हो (12.90 सेकंड) और झारखंड की पुतुल बक्शी (13.03

सेकंड) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।

पृथ्वी ने दौड़ के बाद कहा, मैं पदक जीतने को लेकर आश्वस्त थी क्योंकि मैंने चयन ट्रायल्स में अच्छा प्रदर्शन किया था। आज मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ देने पर ध्यान दिया और खुशी है कि मैंने अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय बनाया।

मेजबान छत्तीसगढ़ के लिए सिद्धार्थ नागेश ने दिन की शुरुआत पुरुष डिस्कस थ्रो में 35.56 मीटर के साथ रजत पदक जीतकर की। गुजरात के दानिश मकवाना (44.83 मीटर) ने स्वर्ण, जबकि ओडिशा के चंद्राय मुर्मू (33.97 मीटर) ने कांस्य पदक जीता।

शाम के सत्र में सिद्धार्थ ने एक कदम आगे बढ़ते हुए 13.52 मीटर के थ्रो के साथ शॉट पुट में स्वर्ण पदक हासिल किया। दानिश मकवाना (13.04 मीटर) को रजत मिला। मेजबान छत्तीसगढ़ ने महिला फुटबॉल के सेमीफाइनल में अरुणाचल प्रदेश को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल में उसका सामना झारखंड से होगा जिसने गुजरात को 9-0 हराया। छत्तीसगढ़ अब पदक तालिका में 2 स्वर्ण, 7 रजत और 4 कांस्य के साथ 10वें स्थान पर है।

कर्नाटक 19 स्वर्ण, 7 रजत और 7 कांस्य के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है, जबकि ओडिशा 13 स्वर्ण, 8 रजत और 15 कांस्य के साथ दूसरे स्थान पर है। झारखंड ने महिला 4×100 मीटर और पुरुष 77 किग्रा ग्रीको रोमन में स्वर्ण जोड़कर 7 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य के साथ तीसरे स्थान पर छलांग लगाई। अंबिकापुर में अभिषेक मुंडा ने हिमाचल प्रदेश के अरफान को हराकर स्वर्ण जीता। पिछली शाम जगदलपुर में असामयिक बारिश के कारण एथलेटिक्स सत्र रद्द होने के बाद सुबह का सत्र बेहद व्यस्त रहा, जिसमें सात फाइनल हुए और लंबी कूद का फाइनल दर्शकों के लिए रोमांचक साबित हुआ। लक्षद्वीप के 26 वर्षीय अब्दुल फताह ने अंतिम प्रयास में 7.03 मीटर की छलांग लगाकर स्वर्ण पदक जीता और 7 मीटर पार करने वाले अपने क्षेत्र के पहले खिलाड़ी बने। ओडिशा के भीमा सरदार (6.96 मीटर) ने रजत और जीवन बिलुंग (6.95 मीटर) ने कांस्य पदक हासिल किया।

पुरुष 400 मीटर फाइनल में कांटे की टक्कर देखने को मिली, जहां ओडिशा के नोबल कुमार किसन की आखिरी क्षणों की डाइव भी उन्हें जीत नहीं दिला सकी। गुजरात के संतोषभाई गणवित ने 49.332 सेकंड में स्वर्ण जीता, जबकि नोबल 49.335 सेकंड के साथ रजत पर रहे। कर्नाटक के रामू (49.60 सेकंड) ने कांस्य पदक जीता।

गोवा की मानसी कुंकलका ने 9.72 मीटर के थ्रो के साथ महिला शॉट पुट में स्वर्ण जीतकर अपने राज्य का खाता खोला। बिहार की अनामिका गोंड (9.50 मीटर) और मेघालय की मेलिबाडक्रो (9.43 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक जीते।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा